RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 97 ● भिलाई, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

घर में सो रहे युवक की हत्या, इधर झाड़ियों में मिली अधजली लाश

दंतेवाड़ा । छत्तीसगढ़ में एक ही दिन दो जिलों से सनसनीखेज घटनाएं सामने आई हैं। दंतेवाड़ा में जहां सोते समय एक युवक की हत्या कर दी गई, वहीं बिलासपुर में झाड़ियों के बीच अधजली लाश मिलने से इलाके में दहशत फैल गई है। दोनों मामलों में पुलिस पंचनामा कार्रवाई कर जांच में जुट गई है। दंतेवाड़ा जिले के बचेली थाना क्षेत्र के बहनार गांव में देर रात एक खौफनाक वारदात हुई। गांव में रहने वाले राजू कर्मा की उस समय हत्या कर दी गई, जब वह अपने घर के आंगन में सो रहा था। अज्ञात हमलावर ने धारदार हथियार से उस पर हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब परिजनों ने खून से लथपथ शव देखा तो गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर बचेली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस हमलावर की तलाश में जुटी हुई है।

खिदिरपुर में कई वाहनों को टक्कर मारते हुए माल लदे वाहन ने ली युवक की जान

कोलकाता। पोर्ट इलाके के वाटगंज थाना अंतर्गत खिदिरपुर में माल से लदे एक वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। लाल बाजार पुलिस मुख्यालय के अनुसार उक्त घटना देर रात 12.50 में घटी। 143 कार्ल मार्क्स सारणी खिदिरपुर क्रासिंग के पास माल से लदा बड़ा वाहन को नियंत्रण खो गया और वाहन एक खाली खड़ी ऑटो को टक्कर मारकर फुटपाथ पर जा गिरा। इसी दौरान वाहन ने एक बाइक को भी टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बाइक सवार मो. सोनू (28) को एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दुर्घटना के कारण इलाके में कुछ देर के लिए यातायात जाम हो गया। मृत युवक जोड़ासांको के इस्माइल मदन लेन का निवासी बताया गया है। पुलिस के अनुसार घटना के दौरान ऑटो रिक्शा चालक ने भाग कर किसी से अपनी जान बचाई। उक्त घटना के बाद देर रात ही बीच सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और रात को ही ट्रैफिक व्यवस्था भी समसामयिक तौर पर चरमरा गई।

महानगर में फर्जी डेटिंग ऐप का खुलासा, 16 महिलाएं सहित 17 गिरफ्तार

कोलकाता। महानगर कोलकाता में फर्जी डेटिंग ऐप का खुलासा हुआ हुआ है। पुलिस ने बताया कि, सीआईडी ने दक्षिण कोलकाता के मिंटो पार्क इलाके में डेटिंग ऐप के जरिये धोखाधड़ी में कथित संलिप्तता के लिए 16 महिलाओं समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना से मिंटो पार्क और आसपास के इलाकों में काफी सनसनी फैल गई है। इस घटना से मिंटो पार्क और आसपास के इलाकों में काफी सनसनी फैल गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर दोस्त बनने का प्रस्ताव देकर उपयोगकर्ताओं को झांसा दी। और फिर धोखाधड़ी की। पुलिस ने बताया कि, गोपनीय सूचना मिली थी।

अबूझमाड़ नक्सल मुक्त....

दो दिन में 258 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण-गृहमंत्री..

नई दिल्ली/ एजेंसी

गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर स्थित अबूझमाड़ के पहाड़ी जंगल इलाके को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया। यह बड़ी घोषणा उस वक्त की गई जब 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। शाह ने इन सभी का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने हिंसा छोड़कर भारत के संविधान में भरोसा जताया है, यह एक साहसिक और सराहनीय कदम है। इस बात की जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि आज छत्तीसगढ़ में 170, कल 27 और महाराष्ट्र में 61 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। दो दिन में कुल 258 कट्टर नक्सलियों ने हिंसा छोड़ दी है। शाह ने कहा कि यह दिखाता है कि मोदी सरकार की रणनीति से नक्सलवाद अब खत्म होने की कगार पर है। सरकार के अनुसार, यह घटनाएं देश में वामपंथी उग्रवाद के अंत की ओर बढ़ते कदम को दर्शाती हैं।अमित शाह ने बताया कि कभी नक्सली आतंक का गढ़ रहे छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर को अब पूरी तरह नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया है। अब केवल दक्षिण बस्तर के कुछ इलाकों में ही नक्सली बचे हैं, जिन्हें भी जल्द समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने कह कि हमारी नीति स्पष्ट है, जो नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे उनका स्वागत है, लेकिन जो हथियार उठाए रहेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।अमित शाह ने यह भी बताया कि जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 गिरफ्तार किए गए हैं और 477 को न्यूट्रलाइज किया गया है उन्होंने कहा कि यह सब 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के संकल्प की दिशा में एक ठोस कदम है। शाह ने सभी नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा छोड़ें, हथियार डालें और मुख्यधारा में लौटकर देश की प्रगति में भागीदार बनें इसके साथ ही दूसरी ओर गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि विदेशों में छिपे अपराधियों की भारत वापसी (प्रत्यर्पण) में तेजी लाने के लिए हर राज्य में एक विशेष जेल बनाई जाए जो अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी उतरे। साथ ही जिन अपराधियों के खिलाफइंटरपोल की रेड नोटिस जारी हो चुकी है, उनके पासपोर्ट रद्द किए जाएं ताकि वे दुनिया में आज़ादी से घूम न सकें। अमित शाह ने यह बातें सीबीआई द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में कहीं, जिसका विषय था 'भगोड़े अपराधियों का प्रत्यर्पण: चुनौतियां और रणनीति'। शाह ने कहा कि जब तक भगोड़ों के मन में भारतीय कानून का डर नहीं होगा, तब तक देश की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती। शाह ने कहा कि कई भगोड़े जैसे विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी विदेशी अदालतों में यह दलील देते हैं कि भारतीय जेलें अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी नहीं उतरतीं, इसलिए उन्हें प्रत्यर्पित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे यह बहाना हो, लेकिन हमें ऐसा कोई मौका नहीं देना चाहिए।

देश का सबसे बड़ा माओवादी सरेंडर कल; नक्सली रूपेश ने अपने 120 साथियों के साथ डाले हथियार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है या यूं कहें कि वो आखिरी सांसें गिन रहा है। सुरक्षा बलों के नक्सल ऑपरेशन से नक्सली भयभीत और घबराये हुए हैं। लगातार सरेंडर कर रहे हैं। इसी क्रम में 17 अक्टूबर को जगदलपुर में देश का सबसे बड़ा माओवादी आत्मसमर्पण होगा। नक्सली प्रवक्ता और डीकेएसजेडसी सदस्य रूपेश उर्फ सतीश उर्फआसन्ना अपने 120 साथियों के साथ सरेंडर करेगा। वहीं डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा के मुताबिक, कुल 140 नक्सली 17 अक्टूबर को सरेंडर करेंगे। बीते दिनों सुकमा में 27 माओवादियों आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद कांकेर जिले के कोयलीबेडा के बीएसफकैंप में टॉप माओवादी लीडर राजू सलाम समेत 50 से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया था और अब 120 नक्सलियों ने आज जगदलपुर में सरेंडर किया है। इस तरह कुल 170 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं। इस संबंध में एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें नक्सली इंद्रावती नदी पार उसपरी घाट पर दिख रहे हैं। नक्सली कमांडर रुपेश के नेतृत्व में सभी ने सरेंडर करने का फैसला लिया है। स्थानीय पुलिस नक्सलियों को हथियारों के साथ आत्मसमर्पण के लिए जगदलपुर ले आयेगी। प्रदेश के अंतागढ़, सुकमा के बाद अब बीजापुर में लाल आतंक का सफाया शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, माड़ डिवीजन के 120 से ज्यादा नक्सल आत्मसमर्पण करने के लिए जंगल से निकल चुके हैं।

विकास बनाम बुर्का!

बिहार में घुसपैठियों के वोटों की जुगत में राजद-कांग्रेस..

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि महागठबंधन चाहता है कि घुसपैठिए आगामी विधानसभा चुनावों में वोट दें ताकि राज्य के लोगों के अधिकार छीने जा सकें। आदित्यनाथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार रामकृपाल यादव के समर्थन में दानापुर में एक चुनावी रैली में बोल रहे थे। यह बिहार में आदित्यनाथ की पहली चुनावी

रैली थी। आदित्यनाथ ने कहा कि राजद, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन अब 'बुर्के' पर राजनीति कर रहे हैं। क्या उन्हें (घुसपैठियों को) बिहार में वोट देने दिया जाना चाहिए? क्या उन्हें बिहार के लोगों के अधिकार छीनने दिए जाने चाहिए? उन्होंने आगे कहा कि राजद और कांग्रेस चुनावों में पारदर्शिता के खिलाफ हैं। अपने संबोधन में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बिहार के वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी सराहना की और कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने राज्य का कायाकल्प कर दिया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन वाली सरकार राज्य के विकास के लिए लगातार काम कर रही है और अब बिहार में विकास को कोई नहीं रोक सकता। योगी ने कहा कि 1990 से 2005 तक बिहार के जंगलराज और वंशवादी राजनीति के बारे में कौन नहीं जानता। आपने देखा होगा कि वो

दिवाली-छठ पर रेलवे का बड़ा फैसला, इन 5 बड़े स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद

नई दिल्ली। दीपावली और छठ पूजा के त्योहारों पर यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आज से यानी 15 अक्टूबर से दिल्ली और गाजियाबाद के पांच प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह प्रतिबंध 28 अक्टूबर तक लागू रहेगा। इस दौरान सिर्फ कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही प्लेटफॉर्म पर प्रवेश की अनुमति होगी।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन।

बिहार मतदाता सूची

आयोग को त्रुटियां सुधारने का निर्देश-सुप्रीम कोर्ट.....

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के बहुचर्चित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से उत्पन्न कानूनी मुद्दों पर सुनवाई के लिए 4 नवंबर की तारीख तय की। कार्यवाही के दौरान, चुनाव आयोग ने अदालत को सूचित किया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत तैयार अंतिम मतदाता सूची में किसी भी मतदाता का नाम हटाए जाने के खिलाफकोई अपील दायर नहीं की गई है। पीठ ने आगे कहा कि एक

ज़िम्मेदार संवैधानिक प्राधिकारी होने के नाते, चुनाव आयोग से अपेक्षा की जाती है कि वह बिहार मतदाता सूची में मुद्रण संबंधी त्रुटियों और अन्य गलतियों की जाँच करे और उन्हें दूर करे।

राजनाथ बोले-यह आत्मनिर्भरता का सबूत

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर का दुनिया ने देखा पराक्रम-सिंह

नई दिल्ली/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आत्मनिर्भरता का जीता जागता सबूत है। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता की सराहना की। पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में हमारी आत्मनिर्भरता का जीता जागता सबूत है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित वीरता को पूरी दुनिया ने देखा। खास बात यह

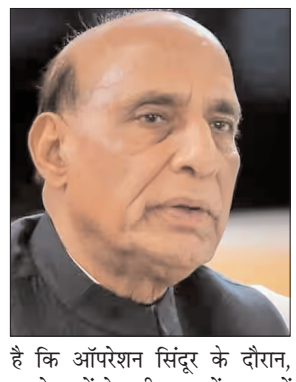

है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे बलों ने बड़ी मात्रा में भारत में निर्मित उपकरणों का इस्तेमाल किया। ऑपरेशन सिंदूर 7 मई को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए एक आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओजेके) में आतंकवादी ढाँचे पर हमला किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने बाद में हुए पाकिस्तानी आक्रमण को भी प्रभावी ढंग से विफल किया और उसके हवाई ठिकानों पर बमबारी की। भारत की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद, पाकिस्तानी डीजीएमओ ने शत्रुता समाप्त करने के लिए अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया। इसके अतिरिक्त, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी भारतीय रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर भाजपा सरकार के फोकस पर प्रकाश डाला।

दुर्गापुर रेपकांड में पीड़िता का सहपाठी भी गिरफ्तार

दुर्गापुर। दुर्गापुर में मेडिकल छात्रा के साथ हुए यौन उत्पीड़न मामले में आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस कमिश्नर सुनील कुमार चौधरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। पुलिस कमिश्नर ने इस केस में अब तक सामने आए तथ्यों के आधार पर गैंगरेप के आरोपों को खारिज कर दिया है साथ साथ ही पीड़िता के दोस्त की भूमिका पर भी संदेह जताया है। इधर दुर्गापुर घटना में पुलिस ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आज शाम पुलिस कमिश्नर की प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होने के तुरंत बाद पीड़िता के सहपाठी को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे इस घटना में गिरफ्तार लोगों की संख्या छह हो गई।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला!

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप के आगे घुटने टेके-राहुल गांधी..

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक नए दावे को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ट्रंप से डरे हुए हैं। ट्रंप ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, ''वह (मोदी) मेरे मित्र हैं। हमारा बहुत अच्छा रिश्ता है। मेरे मित्र ने मुझे आश्वासन दिया है कि

रूस से कोई तेल खरीद नहीं होगी। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री मोदी ट्रंप से डरे हुए हैं। उन्होंने ट्रंप को यह निर्णय लेने दिया और घोषणा करने दी कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी बार-बार आलोचना के बावजूद ट्रंप को सराहना वाले संदेश भेजते रहते हैं। राहुल गांधी ने कहा, वित्त मंत्री का अमेरिका दौरा रद्द हो गया। शर्म अल-शेख (गाजा शांति प्रस्ताव से संबंधित शिखर सम्मेलन) में भाग नहीं लिया गया। ऑपरेशन सिन्दूर पर ट्रंप के दवा का खंडन नहीं किया गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख निर्णयों को अमेरिका को आउटसोर्स कर दिया है।

13,430 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास-आंध्रप्रदेश संस्कृति और नवाचार की धरती

पीएम मोदी बोले-2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बनेगा

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में लगभग 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, हमारा आंध्र प्रदेश स्वाभिमान और संस्कृति की धरती है और साथ ही विज्ञान और नवाचार का सेंटर भी है। यहां पर असीमित संभावनाएं भी हैं और युवाओं का अनन्त सामर्थ्य है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आंध्र को अगर जरूरत थी तो सही विजन की और सही नेतृत्व की जरूरत थी आज एन चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के रूप में आंध्र प्रदेश के पास वो विजनरी लीडरशिप भी है और केंद्र सरकार का सहयोग भी है। पिछले 16 महीनों में आंध्र प्रदेश में विकास की गाड़ी तेज गति से दौड़ रही है। डबल इंजन की सरकार में अभूतपूर्व प्रकृति हो रही है। आज दिल्ली और अमरावती मिलकर तेज विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और जैसा चंद्रबाबू ने कहा कि इस तेजगति को देखकर मैं कह सकता हूं कि 2047 में आजादी के जब 100 साल होंगे तो विकसित भारत होकर रहेगा। पीएम मोदी ने कहा कि चंद्रबाबू ने बहुत भावना के साथ अपने विचारों को व्यक्त किया। मैं विश्वास से कहता हूं कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की होने वाली है। 21वीं सदी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की सदी होने वाली है उन्होंने कहा कि यहां पर सड़क, बिजली, रेलवे, हाइवे और व्यापार जुड़े कई परियोजना का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। ये परियोजनाएं राज्य में कनेक्टिविटी को मजबूत करेंगे और उद्योग को बढ़ावा देंगे

और लोगों के जीवन को आसान बनाएंगे। हम ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय उत्पादों की शक्ति देख चुके हैं. मुझे खुशी है कि आंध्र प्रदेश सरकार ने कुरनूल को भारत का ड्रोन हब बनाने का संकल्प लिया है. ड्रोन उद्योग कुरनूल और आसपास के क्षेत्रों में भविष्य की तकनीक से जुड़े कई नए क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देगा. मैंने अभी ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन की अद्भुत क्षमता का जिक्र किया, जिसने दुनिया को चकित कर दिया. भविष्य में, कुरनूल ड्रोन क्षेत्र में एक राष्ट्रीय शक्ति बनने की ओर अग्रसर है.मोदी ने 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया. उन्होंने कोठावलासा विजयनगरम चौथी रेलवे लाइन और पेंडुर्थी तथा सिम्हाचलम उत्तर के बीच रेल फ्लाईओवर की आधारशिला रखी. प्रधानमंत्री ने कोट्टावलसा-बोड्डावरा खंड और शिमिलिगुडा-गोरापुर खंड के दोहरीकरण से जुड़ी परियोजना का उद्घाटन किया. ऊर्जा क्षेत्र में पीएम मोदी ने गेल इंडिया लिमिटेड की श्रीकाकुलम-अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का उद्घाटन किया, जिसका निर्माण लगभग 1,730 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और यह आंध्र प्रदेश में लगभग 124 किलोमीटर तथा ओडिशा में 298 किलोमीटर तक फैली हुई है. उन्होंने चित्तूर में इंडियन ऑयल के 60 टीएमटीपीए (हजार मीट्रिक टन प्रति वर्ष) एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र का उद्घाटन किया।

कांग्रेस सरकारों ने आंध्र प्रदेश की क्षमताओं की उपेक्षा की:पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत की सफलता का एक प्रमुख केंद्र बन रहा है. कांग्रेस सरकारों ने आंध्र प्रदेश की क्षमताओं की उपेक्षा करके पूरे देश को नुकसान पहुंचाया है. जो राज्य पूरे देश को आगे बढ़ा सकता था, वह अपने ही विकास के लिए संघर्ष कर रहा है. मुझे खुशी है कि एनडीए सरकार के कार्यकाल में आंध्र प्रदेश की छवि बदली है. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में, आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत के लिए एक नई ताकत बन रहा है. आंध्र में विनिर्माण तेजी से बढ़ रहा है. निम्मलुरु में उन्नत नाइट विजन फैक्ट्री का उद्घाटन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में एक और कदम है. यह फैक्ट्री नाइट विजन उपकरणों, मिसाइल सेंसर और ड्रोन गार्ड सिस्टम के निर्माण की भारत की क्षमता को बढ़ाएगी

सांसद युवा खेल महोत्सव युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम : सिन्हा

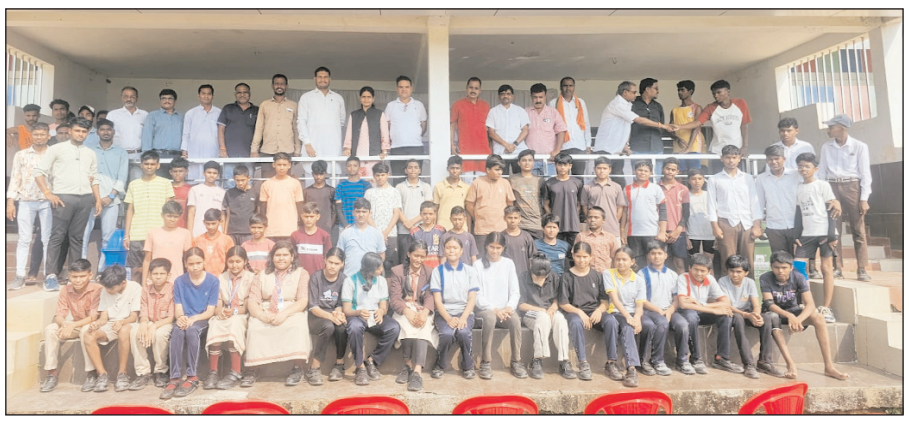

बेमेतरा। शहर के स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में सांसद युवा खेल महोत्सव का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन भारत सरकार के फिट इंडिया मूवमेंट और खेलो इंडिया अभियान के तहत किया गया जिसका उददेश्य युवाओं को खेल के माध्यम से सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्यों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाना नशा मुक्ति और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत करना तथा खेलों के माध्यम से सामाजिक एकता और अनुशासन को प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, हर्ष तिवारी, गौरव साहू, पंचू साहू, विकास तंबोली, नीतू कोठारी रोशनदत्ता प्रनीश रजक एवं खेल अधिकारी व कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिले से 45 छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

इस महोत्सव में कबडडी, एथलेटिक्स, वेट लिफ्टिंग, खो-खो, जैसे पारंपरिक और आधुनिक खेलों की प्रमुख श्रेणियां शामिल थी, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सांसद खेल महोत्सव में जिले से आए हुए 45 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। सहायक जिला खेल अधिकारी उपेंद्र सेंगर ने बताया कि परिणाम को विभागीय पोर्टल में अपलोड किया जाएगा उसके बाद या बच्चे क्लस्टर में खेलेंगे।

खेल ही युवाओं को सही दिशा दे सकता है

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष सिन्हा ने अपने सम्बोधन मे कहा कि ऐसे खेल आयोजन युवा पीढ़ी में अनुशासन एकजुटता और राष्ट्रभक्ति की भावना का विकास करते हैं। उन्होंने फिट इंडिया मूवमेंट के तहत स्वस्थय जीवन शैली अपनाने पर भी जोड़ दिया और कहा कि सांसद युवा खेल महोत्सव युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्य धारा से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि खेल ही एकमात्र ऐसा विकल्प है जो युवाओं को सही दिशा दे सकता है।

नपा अध्यक्ष ने शहर वासियों से कर अदा करने की अपील, कर अदा नहीं करने पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

बेमेतरा। नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने सोमवार को मुनादी सूचना जारी करते हुए कहा कि संपत्ति कर, समेकित कर सहित जलकर वसूली में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़े बकायदारों के साथ ही पूरे 21 वार्डों के बकायदारों की सूची तैयार की जाएगी एवं कर अदा नहीं करने वालों पर दीपावली के बाद कार्रवाई की जाएगी। यदि बार-बार अपील करने के बावजूद बकायेदार अपना टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं तो उनके साथ कड़ाई बरतना जरूरी हो गया है। नगर पालिका अध्यक्ष सिन्हा ने शहर के नागरिकों को अपील करते हुए अपने घर, दुकान, व्यावसायिक परिसर से निकलने वाले कचरे को प्रतिदिन डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने वाली ई-रिक्शा वाहनों मे डालने एवं कचरा को खुले में ना फेकने को कहा है, इसके बावजूद बाहर कचरा फेकने वालों पर 500 रूपए का अर्थदंड लगाया जाएगा।

अवैध कनेक्शन को 31 अक्टूबर तक कराए वैध

नगर पालिका अध्यक्ष ने नगरवासियों से समय पर जलकर अदा करने की अपील की है वही घरों एवं व्यवसायिक परिसरों में लगे अवैध नल कनेक्शन को 31 अक्टूबर तक कार्यालय में उपस्थित होकर वैध कराने कहा गया है अन्यथा नल कलेक्शन विच्छेद की कार्रवाई करते हुए एक हजार रूपए का जुर्माना लगाया जाएगा। सिन्हा ने कहा कि मुख्य मार्ग एवं गलियों में रखे गए भवन निर्माण सामग्री को व्यवस्थित रखें ताकि यातायात प्रभावित न हो अन्यथा भवन निर्माण सामग्रियों को जप्त करने की कार्रवाई की जाएगी। जो व्यक्ति नगर पालिका से अनुमति के बिना भवन निर्माण करा रहा है, वह तत्काल कार्यालय में उपस्थित होकर भवन निर्माण अनुज्ञा प्राप्त कर भवन निर्माण करावे एवं अर्थदंड से बचे।

जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पेंद्र तारिणी चंद्राकर ने जुनवानी में शासकीय उचित मूल्य की दुकान का किया शुभारंभ

दल्लीराजहरा। ग्राम पंचायत भर्रीटोला के आश्रित गांव जुनवानी में शासकीय उचित मूल्य की दुकान का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पेंद्र तारिणी चंद्राकर ने फीता काटकर स्वर्णिम उपहार ग्रामीणों को उचित मूल्य की दुकान समर्पित किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष मिथिलेश नूरेटी, जिला पंचायत सदस्य नीलिमा श्याम, पूर्व जनपद सदस्य संजय बैस, जनपद सदस्य आशा आर्य कार्यक्रम के अतिथि रहे। सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छाया चित्र में पूजा अर्चना कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। स्वागत भाषण ग्राम की सरपंच राजकुमारी देहरी ने कहा कि समूचा गांव आज हर्षित है कि ग्रामीणों को बड़ी सौगात मिली। गांव वालो को राशन लेने के लिए चार किलोमीटर का रास्ता तय करना पड़ता था। हमारे गांव वाले जनपद सदस्य आशा आर्य से मांग किए थे कि हमारे गांव में राशन की दुकान हो जिसे हम ग्रामीण जन संजय बैंस के सहयोग से पूरा कर पाए। जिला पंचायत सदस्य नीलिमा श्याम ने कहा कि संजय बैस के प्रयास से यह सब कुछ संभव हो सका। संजय बैस के सहयोग से एवं जनपद सदस्य की मेहनत आज जुनवानी में नई राशन दुकान मिली,

जिसे ग्रामीण जन वर्षों से मांग कर रहे थे। जो साकार हुई। जनपद सदस्य आशा आर्य ने कहा कि मैं जब चुनाव लड़ी तब पूरे गांव के तरफसे एक मांग थी कि गांव में राशन दुकान को खुलवाना है और मैं जैसे ही जीती उसके बाद संजय बैस के मार्गदर्शन पर उचित मूल्य की दुकान खुलवाने की दिशा में काम मैं लग गई। जो मूल रूप लेते हुए आज ग्रामीणों को राशन मिलना प्रारंभ हो गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर ने कहा कि सर्व प्रथम आप सभी को बधाई की आपके गांव में ही अब राशन मिलेगा आप लोगों को राशन के लिए अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी आप सभी लोगों के उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आप लोगों को जब जब मेरी जरूरत पड़ेगी मै आप लोगों के साथ खड़े रहूंगी सरकार अभी सेवा पखवाड़ा का कार्यक्रम चला रही थी और आपके सेवक संजय बैस ने शासन और प्रशासन से मिलकर आपके गांव में राशन की दुकान लेकर आए आप सच्चे जनसेवक के साथ ईमानदार जनप्रतिनिधि है आप ऐसा ही लोगो के मदद में लगाकर क्षेत्र की विकास को आगे बढ़ाते रहे। संजय बैंस ने कहा कि हमारे क्षेत्र अभी बहुत पिछड़ा हुआ है प्रदेश में विष्णुदेव साय की सुशासन की सरकार है हम सब मिलकर इस क्षेत्र में विकास की नए इमारत खड़ा करेंगे इस क्षेत्र की समस्या का समाधान करना ही हमारा प्रथम लक्ष्य है। मेरे प्रयास से जुनवानी में उचित मूल्य की दुकान प्रारंभ हुई अब एक छत के नीचे सारी सामग्री मिलेगा और जनता को दूर ना जाकर अब गांव में ही मिलेगी।

एकादशी व्रत में वैष्णव मर्यादा का हो अनिवार्य अनुपालन : धर्म स्तम्भ काउंसिल

मठ मंदिर के नियम सनातन समाज के प्रादर्श हैं : डॉ निर्वाणी

बेमेतरा। धर्म स्तंभ काउंसिल ने प्रदेश के सभी वैष्णव मठों, मंदिरों एवं संस्थानों के लिए एक धार्मिक निर्देश जारी किया है। इस निर्देश के अनुसार, जिन मंदिरों में श्रीराधा-कृष्ण, श्रीनारायण, लक्ष्मी-नारायण अथवा भगवान विष्णु के किसी भी स्वरूप की प्रतिष्ठा है, वहाँ एकादशी तिथि पर वैष्णव परंपरा के अनुसार नियमों का कठोरता से पालन करना अनिवार्य होगा।धर्म स्तम्भ काउंसिल ने स्पष्ट किया कि एकादशी का व्रत इंद्रिय-नियंत्रण, आत्मशुद्धि एवं भगवत्स्मरण का दिवस है। जहाँ तक संभव हो, पूर्ण उपवास का पालन किया जाए। स्वास्थ्य संबंधी विशेष परिस्थितियों में भक्त फ्लाहार या सात्विक आहार ग्रहण कर सकते हैं। मंदिर परिसर में अन्न-निषेध एकादशी के दिन मंदिर परिसर की सामूहिक भोजनशाला (अन्नक्षेत्र) या रसोई में किसी भी प्रकार के अन्न (विशेष

रूप से चावल) का पकाना एवं वितरण (महाप्रसाद के रूप में) पूर्णतः वर्जित रहेगा।इस दिन भक्तों को प्रसाद या भोजन के रूप में केवल व्रत-योग्य फल, मेवा, दूध या फलाहार ही वितरित किया जाए। धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ. सौरव निर्वाणी ने इस नीति की पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए कहा, एकादशी भगवान विष्णु को समर्पित तिथि है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार, इस दिन अन्न भोजन वर्जित है। जिस स्थान पर स्वयं श्रीहरि विराजमान हों, वहाँ उनकी प्रतिष्ठा के समक्ष अन्न का पकना मर्यादा का उल्लंघन माना गया है। यह हमारी सनातन आचार संहिता का मूलभूत नियम है। महंत सुरेंद्र दास निर्वाणी अखाड़ा, ने इस निर्देश का समर्थन करते हुए कहा, मठ-मंदिरों की शुचिता केवल विधि-विधान से पूजा से ही नहीं, बल्कि दैनिक आचार-व्यवहार के अनुशासन से भी सिद्ध होती है। एकादशी का पालन वैष्णव साधना का प्राणतत्व है, इसे सभी आश्रमों में सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। काउंसिल ने निर्वाणी, निर्मोही, दशनामी सहित सभी वैष्णव परंपराओं के मठ-मंदिरों से इस एक समान नीति का पालन सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। सभी संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने परिसर में इस नियम को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें, ताकि आने वाले भक्तगण भी पूर्वजानकारी के साथ इस मर्यादा का पालन कर सकें। धर्म स्तंभ काउंसिल का उद्देश्य सनातन धर्म की मूलभूत परंपराओं, आचार-नियमों एवं संस्थागत अनुशासन को पुनर्स्थापित करना है। यह जानकारी धर्म चक्र प्रवर्तक आचार्य रितेश दास ने दी है।

डीएवी जांता में रन फॉर डीएवी मैंराथन का भव्य आयोजन

अभिभावकों ने भी रन फार डीएवी में बढ़चढ़ कर भाग लिए

बेमेतरा। बेमेतरा जिले का एक मात्र डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में डी.ए.वी. राष्ट्रीय खेल के अंतर्गत रन फॉर डीएवी 2025 कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और जोश के साथ किया गया। यह कार्यक्रम डीएवी मैनेजमेंट समिति, नई दिल्ली के निर्देशानुसार आयोजित हुए। जिसमें भारत देश के सभी डी ए वी संस्थानों में एक- दिन, एक-साथ रन फॉर डीएवी का भव्य आयोजन रखा गया, जिसमें 2 किलोमीटर, 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 21 किलोमीटर तक का आयोजन था। इस कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा दूसरी से कक्षा 12 तक के छात्र छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं, जनप्रतिनिधियों, पालकगण आदि सभी ने 2 किलोमीटर दौड़ में शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूजा देवव्रत मिश्रा सरपंच ग्राम पंचायत जांता ने हरि झंडी दिखा कर शुभारंभ किए। संस्था के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने जानकारी साझा करते हुए कहा कि रन फॉर डीएवी का आयोजन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में व उनके सिद्धांतों को बढ़ावा देना, शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस को प्रोत्साहित करना, एवं एकता और सहयोग की भावना जगाने के साथ साथ देशभक्ति और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए यह भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम से गांधीजी के जीवन संदेश-सत्य,अहिंसा और सेवा को जन-जन तक पहुँचाने का एक अथक प्रयास है। इस कार्यक्रम के बाद सभी को गांधी का संदेश स्वच्छता, स्वास्थ्य और सेवा ही सच्चे राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं को याद करते हुए यह संकल्प दिलाया गया कि हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि समाज में एकता, सदभाव और शांति का संदेश भी फैलाएँगे मैं अपने आप से वादा करता हूँ कि हम प्रतिदिन शारीरिक गतिविधि और खेलकूद, दौड़ के लिए समय निकालेंगे तथा अपने परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों व समाज को शारीरिक रूप से फिट रहने और भारत को एक फिट राष्ट्र बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। विद्यालय परिवार के साथ-साथ अभिभावकों, छात्र-छात्राओं ने रन फॉर डीएवी के तहत बड़ी संख्या में दौड़ लगाएं।

बीट प्रणाली पुलिस व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा : पुलिस अधीक्षक

दल्लीराजहरा। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को बीट सेक्टर अधिकारी, बीट प्रभारी एवं बीट आरक्षक को तैनात कर उनके पद नाम, संपर्क नंबर तथा जिले के पुलिस कंट्रोल रूम नंबर को पोस्टर बनाकर गांव में लगवाने निर्देशित किए हैं जिससे आम जनों को पुलिस के साथ संवाद करने में सुविधा मिल सके। निरंतर क्षेत्र भ्रमण और जनता से संवाद स्थापित करने से पुलिस और जनता के बीच विश्वास का संबंध और मजबूत होगा इससे न केवल अपराधों की रोकथाम में मदद मिलेगी बल्कि स्थानीय स्तर पर सूचनाओं का प्रवाह भी अधिक प्रभावी होगा। बीट प्रणाली पुलिस व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, नियमित बीट निरीक्षण, क्षेत्रीय उपस्थिति और आम नागरिकों से सतत संपर्क से पुलिस का नियंत्रण एवं सूचना तंत्र और बेसिक पुलिसिंग अधिक मजबूत होगा।

बीट प्रभारियों के कार्य/दायित्वः बीट भ्रमण कर क्षेत्र में हो रही सम्पूर्ण गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करना। जनसंवाद कार्य में का आयोजन कर स्थानीय समस्याओं की जानकारी लेना। असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखते हुए शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना। वरिष्ठ अधिकारियों को बीट भ्रमण एवं संवाद गतिविधियों की नियमित रिपोर्टिंग करना। जिला पुलिस नागरिकों से अपील करती है है कि वे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें और 'पुलिस आपकी मित्र है' इस भावना को बनाए रखें।

सरकार 01 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ करें : जिलाध्यक्ष

किसान नेता द्वारा किसानों से छल करने का आरोप

डोंगरगांव नगर। किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष मदन साहू ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि किसानों के साथ भाजपा सरकार दोहरी नीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में किसानों को धान खरीदी के 24 घंटे के भीतर भुगतान करने का वादा किया था, लेकिन हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में

यह अवधि बढ़ाकर 6 से 7 दिन कर दी गई है। यह सरकार की दोमुंही नीति को दर्शाता है। साहू ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने ग्राम पंचायत स्तर पर भुगतान व्यवस्था लागू करने का भी वादा किया था, परंतु दो साल बीत जाने के बावजूद ऐसी कोई व्यवस्था शुरू नहीं की गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने गौठान योजना को बंद कर दिया है और गौ रक्षकों के लिए कोई ठोस योजना नहीं है जिसके कारण गौ माता सड़कों पर भटक रही हैं।

किसाननेता ने कहा कि भाजपा की नीतियाँ किसान विरोधी हैं और अब समय आ गया है कि सरकार तत्काल कदम उठाकर किसानों को राहत दे। जिलाध्यक्ष मदन साहू ने राज्य सरकार से आगामी 01 नवंबर से ही धान खरीदी प्रारंभ करने की मांग की है। ताकि किसानों को समय पर भुगतान और सुविधा मिल सके। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार किसानों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेती है, तो किसानों के साथ आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

बीएसपी ठेका अंसारी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा शोषण के खिलाफ ड्राइवरों ने महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। बीएसपी ठेका अंसारी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा दल्ली माइंस फील्ड गैरेज के 18 ड्राइवर और राजहरा माइंस सेंट्रल गैरेज के 10 ड्राइवरों द्वारा कंपनी से जो सुविधा है वह न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है सभी ड्राइवर 6 महीने से बिना सुरक्षा जूतों के काम कर रहे हैं अभी तक उनको जूता नहीं दिया गया राष्ट्रीय अवकाश का पेमेंट रोका गया और ड्राइवर को ईपीएफ पासबुक में जून 2025 का पेमेंट नहीं दिया गया है। इन सभी समस्या के निवारण के लिए ड्राइवरों के द्वारा महाप्रबंधक दल्ली माइंस विपिन कुमार को आवेदन दिया गया और जल्द से जल्द इस समस्या का निवारण करने का अनुरोध किया है। इस अवसर पर 28 ड्राइवर के साथ छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ के अध्यक्ष राजेंद्र बेहरा उपस्थित थे। राजेंद्र बेहरा ने कहा ड्राइवर श्रमिकों की सुविधाओं के लिए कंपनी को जल्द से जल्द कदम उठाना होगा और किसी भी समस्या के लिए हमेशा संघ का सहयोग मिलते रहने का आश्वासन दिया है इस मौके पर 28 ड्राइवरों सहित छत्तीसगढ़ राज्य खदान श्रमिक संघ के प्रमुख लोग उपस्थित थे।

बिहार चुनाव में जनता पुनः एनडीए गठबंधन को प्रचंड जीत दिलाकर सुशासन व विकासवादी सरकार चुनेगी : भावना बोहरा

बिहार के सोनपुर विधानसभा में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने किया जन संपर्क, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर बनाई चुनावी रणनीति

पंडरिया। विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर पंडरिया विधायक भावना बोहरा को पार्टी ने बड़ी जिम्मेदारी दी है, उन्हें सारण जिला अंतर्गत सोनपुर विधानसभा का प्रभारी बनाया गया है जहाँ वो लगातार क्षेत्र का दौरा कर रहीं हैं। इस दौरान भावना बोहरा ने स्थानीय नागरिकों, छात्र-छात्राओं, किसानों, युवाओं, वरिष्ठजनों और जीविका दीदियों से मुलाकात कर एनडीए गठबंधन एवं प्रत्याशियों को जीत दिलाने की अपील कर रही हैं। इस दौरान भावना बोहरा ने सोनपुर विधानसभा अंतर्गत बूथ स्तर पर बूथ प्रभारियों एवं मंडल पदाधिकारियों से भी मुलाकात कर वहां की स्थिति, प्रमुख विषयों और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा कर रहीं हैं साथ ही आगामी रानितियों पर भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दे रहीं हैं। उन्होंने सोनपुर विधानसभा के बूथ

क्रमांक 241 और 242 में जीविका लाभार्थी दीदियों और क्षेत्रवासियों से मुलाकात कर एनडीए सरकार की योजनाओं से महिला सशक्तिकरण, उनके स्वावलंबन, आर्थिक विकास व अन्य विषयों पर चर्चा की। उन्होंने दिघवारा एवं दिघवारा सदर मंडल, शिकारपुर बाजार में भी प्रचार-प्रसार किया और मंडल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी चर्चा की साथ ही उपलब्धियों एवं योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही। उन्होंने सोनपुर स्थित श्री हरिहर नाथ मंदिर में भी दर्शन पूजन कर छत्तीसगढ़ की खुशहाली व समृद्धि के साथ ही बिहार के निरंतर विकास और जनता के कल्याण की कामना की है।

इस दौरान पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा भाजपा ने 71 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है जिन्हें मैं हार्दिक बधाई देती हूँ साथ ही छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा प्रभारी नितिन नबीन को भी बांकीपुर विधानसभा से प्रत्याशी बनने पर उन्हें जीत की अग्रिम शुभकामनाएं देती हूँ। भाजपा का कार्यकर्ता कभी थकता नहीं है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा लेकर वह अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा से पालन करते हैं और राष्ट्रसेवा में हमेशा समर्पित रहते हैं। बिहार चुनाव के दौरान भी कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह है और प्रदेश में फिर एक बार एनडीए सरकार बनने को लेकर आश्वस्त हैं। जनता में भी चुनाव को लेकर उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। प्रचार-प्रसार के दौरान स्थानीय निवासियों से मुलाकात के दौरान उनमें एक नया आत्मविश्वास दिखाई दिया, वर्तमान सरकार के प्रति उनका सकारात्मक पहलु देखने को मिला, सड़क, बिजली,पानी जैसे मूलभूत सुविधाओं की पहुँच से उनके जीवन में आई खुशहाली और परिवर्तन को उन्होंने बताया की कैसे वे एक बेहतर जीवन बिता रहें हैं। भावना बोहरा ने कहा कि जनता ने बताया कि एनडीए सरकार से पहले पूर्ववर्ती सरकारों ने कैसे प्रदेश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, जंगलराज और ध्वस्त कानून व्यवस्था से प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद रहें, महिलाओं-बेटियों के साथ अत्याचार हुए, युवा रोजगार की तलाश में पलायन करने को मजबूर हुए, किसानों के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लेकिन विगत वर्षों में एनडीए गठबंधन की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार प्रदेश के विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने एवं कल्याणकारी योजनाओं से हर व्यक्ति एवं समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। एनडीए के प्रति जनता में विश्वास स्पष्ट दिख रहा है और हमें विश्वास है कि आगामी चुनाव में जनता फिर से एक बार एनडीए गठबंधन के प्रत्याशियों को जीत दिलाकर बिहार प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए सुशासन व विकासवादी सरकार चुनेगी।

संक्षिप्त समाचार

बंधा तालाब में मिला युवक का शव, क्षेत्र में मचा हड़कंप

रायपुर कोंडागांव नगर पालिका की सफाई टीम को मंगलवार सुबह उस वक्त चौंकाने वाली घटना का सामना करना पड़ा, जब नियमित सफाई अभियान के दौरान बंधा तालाब से एक युवक का शव बरामद हुआ। तालाब में फैली जलकुंभी को हटाने के लिए जेसीबी मशीन से कार्य किया जा रहा था, तभी पानी की सतह पर एक शव दिखाई देने लगा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और नगर पालिका कर्मचारियों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान कोंडागांव निवासी कमल सिंह ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। नगर पालिका कर्मचारी संतोष ने बताया कि सफाई के दौरान जलकुंभी के बीच कोई संदिग्ध वस्तु नजर आई। जब कर्मचारी पास पहुंचे तो उन्हें शव दिखाई दिया, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गई, जो मौके पर पहुंच गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फ्लिहाल यह पता लगाया जा रहा है कि युवक की मौत दुर्घटनावश डूबने से हुई या फिर इसके पीछे कोई और कारण है। घटना के बाद से इलाके में सनसनी का माहौल है और पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है।

युवती से दुष्कर्म करने वाला झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तार

रायपुर। बिलासपुर जिले की मस्तूरी पुलिस ने एक युवती से दुष्कर्म के मामले में झोलाछाप डॉक्टर सरजू साहू को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अकोला गांव निवासी आरोपी सरजू साहू ने अपनी शादीशुदा होने की बात युवती से छिपाकर रखी थी। पीड़िता तबीयत खराब होने पर आरोपी झोलाछाप डॉक्टर के पास इलाज के लिए गई थी, जहां आरोपी ने उससे संपर्क बढ़ाया। आरोपी ने युवती को शादी का झांसा दिया और 5 जनवरी 2024 को पहली बार उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने कई बार युवती का यौन शोषण किया। जब युवती को आरोपी के पहले से शादीशुदा होने की जानकारी मिली, तो उसने मस्तूरी थाने में घटना की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी झोलाछाप डॉक्टर सरजू साहू को गिरफ्तार कर लिया और कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

मामूली विवाद में युवक की हत्या करने वाले तीन सगे भाइयों को उम्रकैद

रायपुर । गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में करीब 10 महीने पहले हुई एक युवक की हत्या के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। तीन सगे भाइयों योगेश उर्फ गब्बू डहरिया, संजय डहरिया और घासीराम डहरिया को उम्रकैद और प्रत्येक को 2-2 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई है। जुर्माने की राशि अदा न करने पर दो-दो माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। यह निर्णय रायपुर स्थित एससी-एसटी (पी.ए.) एक्ट विशेष न्यायाधीश पंकज कुमार सिन्हा की अदालत ने सुनाया। यह मामला गुढ़ियारी क्षेत्र के कुकरी तालाब का है। 28 दिसंबर 2024 की शाम मृतक सत्यनारायण उर्फ सत्तू अपने घर के सामने बैठा था।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

सरदार पटेल जी के जीवन पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा

- युवाओं को एक भारत और आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रेरित करने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर सरदार 150 यूनिटी मार्च
- युवाओं को एक भारत और आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रेरित करने सरदार वल्लभभाई पटेल

रायपुर/ संवाददाता

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर राष्ट्रव्यापी सरदार 150 यूनिटी मार्च का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से देशभर के युवाओं को एक भारत और आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रेरित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के नवीन विश्राम भवन में आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस में इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी। विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, पूर्व विधायक श्री नवीन मारकंडेय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार और संचालक श्रीमती तनूजा सलाम भी इस दौरान मौजूद थीं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में बताया कि केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 6 अक्टूबर 2025 को सरदार 150 यूनिटी मार्च की शुरुआत की है। यह भारत सरकार और 'मेरा युवा भारत' की पहल है, जो लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित है। इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है। सरदार पटेल ने जिस तरह बिखरे हुए भारत को एक भारत बनाया, उसी भावना को यह पदयात्रा आगे बढ़ाएगी। इस अभियान के जरिए युवाओं को एक भारत और आत्मनिर्भर भारत के आदर्श को

अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। श्री साव ने बताया कि 6 अक्टूबर को केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस अभियान का डिजिटल शुभारंभ 'मेरा युवा भारत' पोर्टल पर किया है। इस चरण में सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता, निबंध लेखन और सरदार 150 यंग लीडर्स प्रोग्राम शामिल हैं। इसमें सरदार 150 यंग लीडर्स प्रोग्राम के 150 विजेताओं को राष्ट्रीय पदयात्रा में शामिल होने का मौका मिलेगा। श्री साव ने प्रेस-कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि सरदार150 यूनिटी मार्च के तहत आगामी 31 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक जिला स्तरीय पदयात्राएँ होंगी। हर संसदीय क्षेत्र के सभी जिलों में तीन दिनों तक 8ङ्क10 किमी लंबी पदयात्रा होगी। पदयात्रा से पहले स्थानीय लोगों को प्रेरित करने के लिए स्कूल, कॉलेजों में अलग-अलग निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सरदार पटेल जी के जीवन पर संगोष्ठी, नुक्कड़ नाटक जैसी प्री-इवेंट गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनके साथ ही युवाओं के बीच नशामुक्त भारत शपथ, संस्थानों में स्वदेशी मेलों का आयोजन, गर्व से स्वदेशी संकल्प भी दिलाएं जाएंगे। श्री साव ने बताया कि राष्ट्रीय पदयात्रा के अंतर्गत 26 नवम्बर से 6 दिसम्बर तक सरदार पटेलजी के जन्म स्थान करमसद से स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, केवड़िया तक 152 किमी की पदयात्रा निकाली जाएगी। रास्ते में पड़ने वाले गाँवों में सामाजिक विकास के कार्यक्रम होंगे, जिनमें मेरा युवा भारत , एनएसएस के स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट्स और युवा लीडर भाग लेंगे। इस दौरान 150 पड़ावों पर सरदार पटेल के जीवन पर विकसित भारत की प्रदर्शनी और भारत की विविध संस्कृति का उत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरदार150 यूनिटी मार्च के तहत सभी पंजीकरण और गतिविधियाँ पर हो रही हैं। श्री साव ने सभी युवाओं से इस ऐतिहासिक पहल से जुड़कर सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

15नवंबर से खुलेंगे रेतघाट कीमतों में आएगी गिरावट

- ईट भट्ठा खुलने से लोगों को मिलेगी राहत
- सीमेंट की रेट में नहीं आया कोई विशेष अंतर

रायपुर। प्रदेश में रेतघाट 15 नवंबर से शुरू हो रहे हैं। जिसके कारण अब रेत का रेट कम होने के आसार है। इधर राज्य में सीमेंट की कीमतों में कोई कमी नहीं हो रही है। मौसम खुलने के बाद ईट भट्ठा खुल जाएगा, जबकि लोहे के रेट में कोई अंतर नहीं आ रहा है। राज्य में 15 नवंबर के पश्चात रेत घाटों को खोल दिया जाएगा। रायपुर जिले में आरंग, समोदा, पारागांव तथा गरियाबंद जिले में राजिम तथा अन्य रेतघाट खुल जाएंगे। इस समय रेत की डिमांड सबसे ज्यादा है, जिसके कारण यहां पर रेत का भाव आसमान छू रहा है। वर्तमान में 800 फीट का रेत प्रति ट्राली 3000 रूपए है, जो कि गिरकर 2000 रूपए प्रति ट्राली आ जाएगा। राज्य में इस समय प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का काम चल रहा है, जिसके लिए रेत की डिमांड सबसे ज्यादा हो गई है। सीमेंट सप्लायरों के अनुसार राज्य में सीमेंट की कई कंपनियां हैं, 350 रूपए प्रति बोरा है, देश में जीएसटी कटौती होने के बाद इसमें 30 रूपए प्रति बोरा कम होना था, लेकिन कंपनी के मनमानी के चलते कम नहीं हुआ। ठंड के पश्चात ईट भट्ठा भी खुल जाएगा। जिसके कारण 5 रूपए नग मिट्टी का ईटा बिक रहा है। वर्तमान में एश से निर्मित ईटों की भी डिमांड ज्यादा है।

कांग्रेस में संगठन सृजन नहीं,बल्कि संगठन सीजन चल रहा:भाजपा....

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने कांग्रेस के संगठन सृजन कार्यक्रम के दौरान भी लगातार सामने आ रही कांग्रेस की अंदरूनी कलह से यह साफहो चला है कि जिस कांग्रेस में नेताओं की कुलजमा सियासी वजूद एक परिवार की परिक्रमा और चरण-वंदना से तय हो रहा है, जिस कांग्रेस में कार्यकर्ताओं को स्लीपर सेल, सत्ता-सुख भोगी और चमचा कहकर अपमानित किए का ट्रेण्ड चल पड़ा है, वहाँ संगठन नाम की कोई भावना अंधेरे कमरे में उस काली बिल्ली को ढूँढ़ना जैसा है, जो बिल्ली उस कमरे में है ही नहीं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि कांग्रेस के हालात बता रहे हैं कि कांग्रेस में इन दिनों 'संगठन सृजन' नहीं, बल्कि 'संगठन सीजन (यानी मौसम)' चल रहा है। कांग्रेस में संगठन के नाम पर मौसम-मौसम का खेल खेला जाता है। कांग्रेस में संगठन सीजन में नेता रोज रंग बदलकर रंग बदलने वाले मौसम को भी मात दे रहे हैं! कांग्रेस के बड़े और अनुभवी नेताओं के आचार-विचार से कांग्रेस के संगठनात्मक ढाँचे की सहज कल्पना की जा सकती है। प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि 140 साल पुरानी हो चली कांग्रेस को अब फिर संगठन सृजन के लिए विवश होना पड़ रहा है, बरसों सत्ता में रहे एक राजनीतिक दल को तौर पर कांग्रेस के लिए इससे अधिक शर्मनाक कुछ और नहीं हो सकता। यह स्थिति छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में है और इसीलिए कांग्रेस अब देश के कुछ राज्यों तक ही सिमटकर रह गई है। इससे कार्यकर्ता हताश और निराश हैं और अब वे कांग्रेस पार्टी का साथ नहीं दे रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि आज हालत यह है कि किसी एक का नेतृत्व कांग्रेस को स्वीकार नहीं है। लगातार दौरे पर दौरे करके भी कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट भी एक तो अपने ही सामने बैठकों में नेताओं और कार्यकर्ताओं के आपसी संघर्ष को देखने के लिए विवश हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से महिला उपभोक्ता बन रही ऊर्जा दाता.....

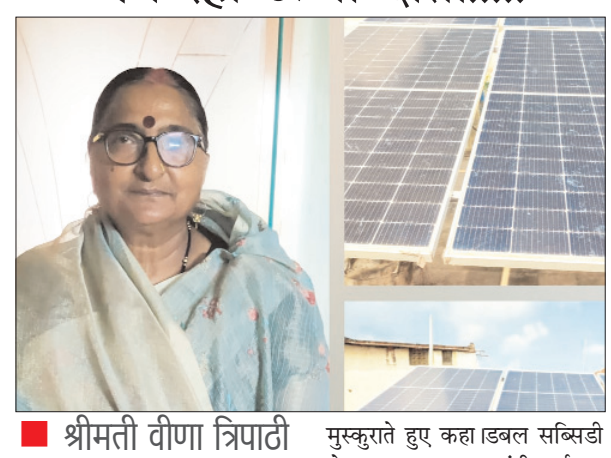

- श्रीमती वीणा त्रिपाठी ने लगाया 3 किलोवाट का सोलर रूफटॉप, केंद्र और राज्य सरकार की डबल सब्सिडी से मिला लाभ

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। यह योजना अब महिलाओं को भी ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बना रही है। बेमेतरा शहर के बस स्टैंड क्षेत्र की निवासी श्रीमती वीणा त्रिपाठी ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर न केवल बिजली बिल में राहत पाई, बल्कि अब वे स्वयं 'ऊर्जा दाता' बन गई हैं। सिर्फएक माह में उनके सोलर प्लांट ने 300 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन किया है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजने से उन्हें आय का भी लाभ मिलेगा।अब हर माह बिजली बिल की चिंता खत्म हो गई है, बल्कि सौर ऊर्जा से होने वाली आमदनी परिवार की बचत में सहायक है, श्रीमती त्रिपाठी ने मुस्कुराते हुए कहा।डबल सब्सिडी से दुगुना लाभ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट पर केंद्र सरकार से 78,000 तथा राज्य सरकार से 30,000 की सब्सिडी प्राप्त होती है। इस प्रकार उपभोक्ता को कुल 1,08,000 की आर्थिक सहायता मिलती है। डबल सब्सिडी के कारण अब उपभोक्ताओं के लिए सौर ऊर्जा अपनाना आसान हो गया है, जिससे बिजली पर निर्भरता घट रही है। हर घर बनेगा ऊर्जा उत्पादन केंद्र श्रीमती त्रिपाठी का कहना है कि यदि हर घर इस योजना का लाभ उठाए, तो बेमेतरा जिला स्वयं बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकता है। उन्होंने बताया कि यह योजना न केवल बिजली बिल में राहत देती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान सुनिश्चित करती है। पोर्टल पर जाकर अपनी बिजली उपभोक्ता संख्या और मोबाइल नंबर से पंजीकरण कर सकते हैं। इसके बाद अधिकृत वेंडर का चयन कर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित किया जा सकता है। उपभोक्ताओं को वेंडर बदलने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे पारदर्शिता बनी रहती है। केंद्र एवं राज्य सरकार की यह संयुक्त पहल छत्तीसगढ़ को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हो रही है।

खेल शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक विकास में सहायक

- खेल शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक विकास में सहायक
- खिलाडी बेहतर प्रदर्शन शहर, राज्य का नाम रौशन करें

रायपुर/ संवाददाता

क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने प्रतिभागी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जो खेलना जानता है, वही जीवन को भी सुंदर ढंग से जीना जानता है। क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का 13 से 15 अक्टूबर तक रायपुर के रोहणीपुरम में आयोजित हुआ। मंत्री श्री वर्मा ने राष्ट्रीय स्तर पर चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि खिलाडी बेहतर प्रदर्शन विद्यालय, शहर, राज्य का नाम रौशन करें। साथ ही उन्होंने चयनित न हो पाने वाले विद्यार्थियों को निराश न होकर और बेहतर प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि मैं स्वयं सरस्वती शिशु मंदिर में नहीं पढ़ पाया, क्योंकि मेरा गांव बहुत छोटा था और वहां प्राथमिक शाला ही थी, लेकिन मेरे बच्चे इस विद्यालय से पढ़े हैं। इस विद्यालय में भारतीय संस्कृति के साथ ही साथ राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीयता की भावना सिखाई जाती है। मंत्री श्री वर्मा ने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश देते हुए कहा कि हम जैसा सोचते हैं, वैसा बनते हैं।

शहर की जर्जर सड़कों से यातायात हुआ प्रभावित

- वहीं शहर के चारों ओर बाईपास रिंग रोड में भी सड़कें जर्जर हालात की शिकार है

रायपुर। बरसात के बाद शहर की अधिकांश सड़कें गढ्डे एवं जर्जर हालात की शिकार है। यहां तक की कबीर चौक से पुराना मुख्यमंत्री निवास एवं छग कालेज चौक से छग क्लब होते हुए भगत सिंह चौक तक ओव्हरब्रीज रोड में भी गहरे गढ्डे है। जिसके चलते रोज यातायात प्रभावित हो रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री निवास स्थल के चारों ओर गढ्डेदार सड़कों पर लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदारों का ध्यान नहीं है। जिसके कारण यह विषय जन चर्चा में है। वहीं शहर के चारों ओर बाईपास रिंग रोड में भी सड़कें जर्जर हालात की शिकार है। शहर के मुख्य बाजार तेलीबांधा क्षेत्र मोवा सड्डू दलदलसिवनी क्षेत्र पुरानी बस्ती अंदरूनी क्षेत्र डंगनिया शीतला माता मंदिर के आसपास का क्षेत्र एवं गुढ़ियारी क्षेत्र के मुख्य बाजार क्षेत्रों में सड़कें इतनी जर्जर है कि लोग परेशान है। इधर मालवीय रोड सदर बाजार में बूढ़ापारा तक तथा कंकालीपारा होते हुए आमापारा चौक तक सुबह शाम लग रहा जाम कामकाजी लोगों के काम में रूकावट डाल रहा है। रायपुर सिनियर सिटीजन क्लब के अध्यक्ष पूर्व मुख्य अभियंता मप्र शासन एचसी शुक्ला एवं मार्निंग ओल्ड क्लब के मेंबर कन्हैया जायसवाल ने उप मुख्यमंत्री एवं नगर निकाय मंत्री अरूण साव एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शहर की सड़कों को पुन: डामरीकृत करने के लिए निवेदन किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर तैयारियां शुरू

प्रधानमंत्री मोदी 01 नवंबर को पांच कार्यक्रमों में होंगे शामिल

- राजधानी में राज्योत्सव के शुभारंभ के साथ नई विधानसभा भवन का होगा लोकार्पण
- अपर मुख्य सचिव श्री पिंगुआ ने तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के छत्तीसगढ़ प्रवास को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। 01 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री मोदी नया रायपुर अटल नगर में राज्योत्सव स्थल में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा वे शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय, छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन और प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग सेंटर एकेडमी फार ए पीसफुल वर्ल्ड शांति शिखर का शुभारंभ और सत्य साईं हॉस्पिटल में हृदय का ऑपरेशन कराने वाले बच्चों से चर्चा करेंगे। अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ ने आज नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव स्थल में प्रधानमंत्री के प्रवास को लेकर तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री पिंगुआ ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 31 अक्टूबर की रात्रि राजधानी रायपुर पहुंचेंगे और अगले दिन कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस दौरान नए विधानसभा भवन के लोकार्पण और राज्योत्सव के शुभारंभ अवसर पर सभाएं होंगी। इन आयोजनों के लिए सभी तैयारियां शुरू कर दी जाए। बैठक में कलेक्टर श्री गौरव सिंह ने प्रधानमंत्री के प्रवास को लेकर की जा रही तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, परिवहन विभाग के सचिव श्री एस. प्रकाश, तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सचिव डॉ. एस. भारती दासन, कमिश्नर रायपुर श्री महादेव कावरे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेंद सिंह सहित जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। अपर मुख्य सचिव श्री पिंगुआ ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रवास के मद्देनजर

ट्रैफिक प्लान और पार्किंग की व्यवस्था कर ली जाए। इसी प्रकार राज्योत्सव मेला स्थल और अन्य कार्यक्रमों के स्थल पर पार्किंग, पेयजल, शौचालय की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि नया रायपुर के चौक-चौराहों को व्यवस्थित और सौंदर्यीकरण कर ली जाए। राज्योत्सव मेला स्थल में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए को सेक्टरों में बांटकर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। कार्यक्रम के दौरान सतत् रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा वैकल्पिक व्यवस्था भी रखी जाए। इसी प्रकार साउंड सिस्टम उच्च गुणवत्तायुक्त हो। साथ ही दूर संचार विभाग के अधिकारियों को संचार व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए। राज्योत्सव मेला स्थल पर मुख्य मंच के सामने तीन विशाल डोम बनाएं जा रहे हैं। जिनमें 60 एलईडी स्क्रीनिंग लगाए जाएंगे। मेला स्थल पर लोगों बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था की जा रही है। लोगों के प्रवेश के लिए दो द्वार होंगे। एक द्वार विभागीय प्रदर्शनी के लिए होगा। विभागीय प्रदर्शनी में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के साथ ही सार्वजनिक उपक्रमों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। मुख्य मंच के नजदीक ही डिजिटल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मेला स्थल पर प्रधानमंत्री आवास का मॉडल भी बनाया जाएगा। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि राज्योत्सव मेला स्थल के दोनों तरफ20-20 हजार वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा अन्य शहरों से रायपुर पहुंचने वाले मार्गों पर भी पार्किंग, पेयजल आदि की व्यवस्था की जा रही है। राज्योत्सव मेला स्थल पर 300 शौचालय बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 20 बैड का हॉस्पिटल तथा आईसीयू बनाया जा रहा है। इसके अलावा 25 एम्बुलेंस और पर्याप्त संख्या में फायर ब्रिगेड वाहन की व्यवस्था की जा रही है।

संपादकीय

यह यात्रा दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भारत आए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा और टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ेगा। एक नया व्यापार समझौता जल्द लागू होगा। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। ब्रिटेन के नौ विश्वविद्यालय भारत में कैंपस खोलेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भारत की यात्रा पर आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। यह यात्रा जुलाई में पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा के बाद हुई है, जहां दोनों देशों ने टेक्नोलॉजी, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और अनुसंधान जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। स्टार्मर, जो उद्योग जगत के बड़े नामों के साथ भारत आए, ने नई दिल्ली के साथ साझेदारी को 'ग्रोथ का लॉन्चपैड' बताया, जबकि पीएम मोदी ने ब्रिटेन को 'स्वाभाविक साझेदार' कहा। यह मुलाकात दो महीने पहले हुए विस्तृत आर्थिक और व्यापार समझौते को जल्द लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके लिए एक जॉइंट कमिटी बनाने का ऐलान किया गया है।इस व्यापार समझौते से दोनों देशों को जबरदस्त फायदा होने की उम्मीद है। ब्रिटेन से भारत आने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत हो जाएगा, वहीं भारत से ब्रिटेन निर्यात होने वाले 99 प्रतिशत उत्पादों पर टैरिफ पूरी तरह खत्म हो जाएगा। इस डील से व्यापारियों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा, साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। वर्तमान में दोनों देशों के बीच लगभग 56 अरब डॉलर का व्यापार है, जिसे 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। यह सहयोग ऐसे समय में हो रहा है जब भारतीय उद्योग, खासकर टेक्सटाइल सेक्टर, अमेरिकी टैरिफ के कारण दबाव में है। आशंका है कि चीन और बांग्लादेश पर कम टैरिफ के कारण भारत के टेक्सटाइल निर्यात में अगले साल 10त तक की गिरावट आ सकती है। ब्रिटेन के साथ हुई यह डील इस संभावित नुकसान को कम करने में मददगार साबित होगी। स्टार्मर के दौरे ने टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, शिक्षा, निवेश, स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। एक बड़ी घोषणा यह है कि ब्रिटेन के 9 विश्वविद्यालय अब भारत में अपने कैंपस खोल सकेंगे। यह उन भारतीय छात्रों के लिए एक बड़ी राहत है जो अमेरिका की वीजा नीतियों के कारण विदेश में पढ़ाई के अवसरों को लेकर चिंतित थे। अपने ही देश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिलने से रिसर्च को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर दोनों ही इन द्विपक्षीय समझौतों को ऐतिहासिक मान रहे हैं, जिसका मुख्य कारण मौजूदा वैश्विक परिस्थितियां हैं। अमेरिका के बढ़ते दबाव के बीच, इन मुलाकातों ने दोनों देशों को नए विकल्प दिए हैं।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। तब से हर वर्ष 11 अक्टूबर को पूरी दुनियां में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर सामना की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

समाज में परिवर्तन की वाहक बने बालिकाएं

(रमेश सर्राफ धमोरा)

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम है मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है। यह थीम उन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है जिनका सामना बालिकाएं करती हैं। जैसे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और असमानताएं। यह थीम बालिकाओं को केवल संकट के शिकार के रूप में नहीं बल्कि परिवर्तन के वाहक के रूप में पहचानने पर जोर देती है। यह थीम शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में निवेश का आह्वान करती है ताकि वे बेहतर और समावेशी दुनिया का निर्माण कर सकें।

आज हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढने के बावजूद भी वह अनेको कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियों उनके आगे बढने में बाधाएं उत्पन्न करती है। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है। समाज में आज भी बेटियो को बोझ समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिये जाते हैं। इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषो की संख्या 5 करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढिवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जायेगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा।

पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल का जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था। जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं। लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। देश के कई प्रदेशों में तो बालिकाओं के जन्म को अभिशाप तक माना जाता है। लेकिन बालिकाओं को अभिशाप मानने वाले लोग यह क्यों भूल जाते हैं कि वह उस देश के नागरिक हैं जहां रानी लक्ष्मीबाई जैसी विरांगनाओं ने देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

हमारे यहां आज भी बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिन्ता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पायी है। कोख में कन्याओ को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

अगर समाज में बेटियों को उचित शिक्षा और सम्मान मिले तो बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नही रहेगी। इसलिए यदि यह कहा जाय की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नही हम सबकी एक जिम्मेदारी है तो इसमें कुछ गलत नही है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते है तो हम सबका यही फर्ज बनता है हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाये। उन्हें इतना सशक्त बनाये की खुद गर्व से कह सके की देखो वह हमारी बेटी है जो इतना बड़ा काम कर रही है।

आज लड़किया लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। कठिन से कठिन कार्य लड़कियां सफलतापूर्वक कर रही हैं। देश में हर क्षेत्र में महिला शक्ति को पूरी हिम्मत से काम करते देखा जा सकता है। लड़कियों ने अपने काम और समर्पण के दम पर कई क्षेत्रों और क्षेत्रों में खुद को साबित किया है। वे अधिक प्रतिभाशाली, आज्ञाकारी, मेहनती और परिवार और अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। लड़कियां अपने परिवार और माता-पिता के प्रति अधिक देखभाल करने वाली और प्यार करने वाली होती हैं और वे हर काम में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देती हैं। देश की अर्थव्यवस्था में भी महिलाओं का अहम योगदान है। वे श्रम शक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और व्यवसायों की वृद्धि और विकास में योगदान देती हैं।

एक तरफ जहां बेटी को जन्मते ही मरने के लिये लावारिश छोड़ दिया जाता है। वहीं झुंझुनू जिले की मोहना सिंह जैसी बालिकायें भी है जो आज देश में फाईटर प्लेन उड़ा कर पूरे देश में जिले का मान बढ़ा रही हैं। समाज में सभी को मिलकर लडका-लडकी में भेद नहीं करने व समाज के लोगों को लिंग समानता के बारे में जागरूक करने की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। देश में बालिकाओं के साथ हर दिन बलात्कार, प्रताडना की घटनायें अखबारो की सुर्खिया बनती हैं। बालिकायें कही भी अपने को सुरक्षित नहीं समझती हैं। चाहे घर हो या स्कूल अथवा कार्य स्थल। हर जगह वहशी भेडिये उन पर नजरे गड़ायें रहते हैं। उन्हे जब भी मौका मिलता है नोंच डालते हैं। ऐसे माहौल में देश की बालिकायें कैसे आगे बढ़ पायेगीं।

समाज के पढ़े लिखे लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या जैसे घिनोने कार्य को रोकने का माहौल बनाना होगा। ऐसा करने वाले लोगों को समझा कर उनकी सोच में बदलाव लाना होगा। लोगों को इस बात का संकल्प लेना होगा कि ना तो गर्भ में कन्या की हत्या करेगें ना ही किसी को करने देगें। तभी देश में कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लग पाना संभव हो पायेगा। सरकार व समाज को मिलकर ऐसे वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करना चाहिये जिसमें बालिकायें खुद को महफूज समझ सकें। समाज और राष्ट्र के विकास के लिए बालिकाओं के महत्व को स्वीकार करना और बढ़ावा देना आवश्यक है।

हम सभी जानते हैं कि एक लड़की समाज के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। वह एक मा, एक बेटी, एक पत्नी इस तरह कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। उसे घर की शांति बनाए रखने वाली स्तंभ माना जाता है और फिर भी उसका अपमान किया जाता है। स्त्रियां ही संतति की परम्परा में मुख्य भूमिका निभाती है फिर भी प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही है।

हमारे समाज का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम आज अपनी बच्चियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं और उन्हें कितना महत्व देते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना न केवल एक नैतिक दायित्व है बल्कि सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी आवश्यकता भी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लड़कियों को आगे बढ़ने, सीखने के समान अवसर मिले। तभी हम एक संतुलित, न्यायसंगत और समृद्ध समाज बना सकेगें। (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

बसपा ने फिर दिखाई ताकत, मायावती के सियासी दांव से सपा को 'तनाव'

(मृत्युंजय दीक्षित)

बसपा रैली में बहिन मायावती के भतीजे आकाश आनंद की लॉन्चिंग के साथ-साथ मायावती के सबसे करीबी माने जाने वाले नेता सतीशचंद्र मिश्रा के बेटे कपिल मिश्रा की भी लॉन्चिंग हो गई है। मायावती ने उनके कामकाज की प्रशंसा भी की।

उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों तक की चहल-पहल दिखने लगी है। इसी क्रम में बसपा सुप्रीमो बहिन मायावती ने मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर शक्ति प्रदर्शन करते हुए कई राजनैतिक संदेश दिए। बहिन मायावती ने अपनी जनसभा में एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करके राजनैतिक विश्लेषकों को हैरान किया तो दूसरी ओर अगले विधानसभा चुनावों में बिना किसी गठबंधन के उतरने की घोषणा भी कर दी है। बसपा के शक्ति प्रदर्शन को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बसपा की बढती ताकत से समाजवादी पार्टी को नुकसान होने जा रहा है। बहिन मायावती ने न केवल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की अपितु यह भी कहा कि यदि आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी जुमला न साबित हुआ तो वह पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी होंगी।

बहिन मायावती अपनी 2007 की रणनीति को अपनाते हुए पुनः सामाजिक न्याय को आधार बनाकर ही चुनावी मैदान में उतरेंगी ऐसा संकेत उनकी रैली से मिलता है। उन्होंने अपनी रैली मे भीड़ जुटा कर यह संदेश दे दिया है कि उनका कोर वोटबैंक जाटव व दलित अभी भी उनके साथ है, भले ही इस समय उनके पास विधानसभा में केवल एक विधायक और मात्र 9 प्रतिशत वोट है। बहिन मायावती अपनी रैली में भाजपा के प्रति नरम व सपा तथा कांग्रेस के प्रति गरम दिखाई पड़ीं। उन्होंने अपनी रैली में कांग्रेस व सपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस संविधान पर नाटकबाजी कर रही है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल लगाकर बाबा साहब के बनाए संविधान का अपमान किया था। कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी भी सम्मान नहीं किया।उन्होंने केंद्र सरकार में रहने पर उन्हें आयकर और सीबीआई की जांच में फंसाने की कोशिश की ताकि डा. आंबेडकर और कांशीराम के कारवां को रोका जा सके। अब उसी कांग्रेस के लोग संविधान की प्रति हाथ में लेकर नाटकबाजी कर रहे हैं। सपा पर तीखा हमला बोलते हुए बहिन मायावती ने कहा कि सपा की सराकर में दलितों व पिछड़ों का सर्वाधिक उत्पीड़न हुआ। उन्होंने सपा सरकार की अराजकता पर हमला किया।

लंबे समय से बहिन जी का नाम तथा आवाज़ केंद्रीय राजनीति से दूर रहने के कारण दलित राजनीति में चंद्रशेखर रावण जैसे लोगों का उभार हुआ है जो बसपा के परम्परागत वोटबैक पर दावा ठोंक रहे हैं। बसपा सुप्रीमो ने भले ही जोर देकर कहा है कि आगामी चुनावों में प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत लगा दी जाएगी किंतु यह फिलहाल संभव नहीं प्रतीत हो रहा हें क्योकि बसपा का जो राजनैतिक समीकरण हे उस आधार पर उन्हें सत्ता प्राप्त करने के लिए कम कम के कम 30 प्रतिशत मतों की आवश्यकता होगी और वह अभी मात्र 9 प्रतिशत ही है। प्रदेश की वर्तमान परिस्थितियों में बसपा कार्यकर्ताओं की धरातल पर कड़ी मेहनत के बाद यह मत प्रतिशत 15-20 पहुँच सकता है। बहिन जी ने खुले मंच से जिस प्रकार से योगी जी की प्रशंसा की वह बसपा के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है क्योंकि संभव है इससे प्रदेश का मुस्लिम मतदाता सपा गठबंधन के साथ जाना पसंद करे।

भले ही बसपा नेत्री मायावती का 2027 में अपने बलबूते पर सरकार में आने का दावा अतिशयोक्ति हो किन्तु इससे 2027 में सपा-बसपा गठबंधन की चर्चाओं को विराम लग गया है। साथ ही बहिन जी के दावे से सपा गठबंधन के लिए गहरा तनाव और भाजपा के लिए राहत की सूचना आ गई है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शांति दूत बनकर घूम रहे ट्रंप ने खुद ही छेड़ दिया युद्ध, यूएस चाइना ट्रेड वार से दुनिया सकते में

(नीरज कुमार दुबे)

दूसरे युद्धों को खत्म कराने का दावा कर रहे डोनाल्ड ट्रंप ने अब एक नया आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है और यह युद्ध बंदूकों का नहीं, बल्कि टैरिफ और दुर्लभ खनिजों का है। अमेरिका और चीन के बीच यह नया टैरिफ संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए वैसा ही झटका है, जैसा 2018-19 के व्यापार युद्ध के समय देखा गया था। ट्रंप ने घोषणा की है कि 1 नवंबर से चीन से आने वाले सभी सामानों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा और 'महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर' के निर्यात पर नई पाबंदियाँ लगेंगी।

यह फैसला चीन के उस कदम के जवाब में आया है, जिसमें उसने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर नए नियंत्रण लगाए हैं। हम आपको बता दें कि यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में अनिवार्य हैं। बीजिंग दुनिया में इन खनिजों के 90त से अधिक परिशोधन पर नियंत्रण रखता है। ट्रंप ने चीन के इस कदम को होस्टली आर्डर यानी शत्रुतापूर्ण आदेश बताया और कहा कि बीजिंग 'पूरी दुनिया को बंधक बनाने' की कोशिश कर रहा है।

इस नई आर्थिक जंग की घोषणा के साथ ही वैश्विक बाजारों में हड़कंप मच गया। अमेरिका का एस एण्ड पी 500 इंडेक्स 2.7 प्रतिशत गिर गया, नैस्डैक में भी तेज़ गिरावट आई, जबकि निवेशक सोने की शरण में भागे। डॉलर कमजोर पड़ा और वैश्विक निवेशकों में यह आशंका फैल गई कि वॉशिंगटन और बीजिंग के बीच 'टैरिफ युद्ध' फिर से भड़क उठा है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह फैसला केवल एक आर्थिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि रणनीतिक चुनौती है। चीन ने जब दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण बढ़ाया, तो उसने न केवल अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया की औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया। इन खनिजों के बिना स्मार्टफोन, मिसाइल, सेमीकंडक्टर और बैटरी बनाना असंभव है। इसलिए चीन का यह कदम भू-अर्थशास्त्र की उस रणनीति का हिस्सा है जिसमें वह अपनी प्राकृतिक संपदाओं को राजनैतिक दबाव के औजार के रूप में इस्तेमाल करता है।

ट्रंप की प्रतिक्रिया उतनी ही आक्रामक है जितनी अप्रत्याशित। यह कदम न केवल बीजिंग के लिए बल्कि अमेरिका के उद्योगों के लिए भी दोहरी चुनौती बनेगा– क्योंकि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाएँ वर्षों से एक-दूसरे में गहराई से जुड़ी हुई हैं। लेकिन ट्रंप की प्राथमिकता फिलहाल राजनीतिक लाभ और 'मेड इन अमेरिका' की घरेलू भावना को पुनर्जीवित करना है।

उधर, चीन के लिए यह विकास चिंताजनक है। चीन की अर्थव्यवस्था पहले से धीमी वृद्धि, रियल एस्टेट संकट और घटती विदेशी मांग से जूझ रही है। ऐसे में अमेरिकी बाजार पर 100 प्रतिशत टैरिफ

उसके निर्यात क्षेत्र को गंभीर चोट पहुंचाएगा। चीन अब अपने प्रभाव को अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया के अन्य हिस्सों में बढ़ाने की कोशिश करेगा ताकि अमेरिकी दबाव को संतुलित किया जा सके। लेकिन ट्रंप के कदम का एक बड़ा असर यह होगा कि पश्चिमी कंपनियाँ चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में और तेज़ी से आगे बढ़ेंगी। एप्पल,टेस्ला और अन्य अमेरिकी कंपनियाँ पहले ही 'चाइना-प्लस-वन' रणनीति पर काम कर रही हैं। अब यह प्रवृत्ति और तेज होगी।

दूसरी ओर, भारत के लिए यह परिदृश्य संकट में अवसर की तरह है। यदि दुनिया चीन पर निर्भरता घटाना चाहती है, तो भारत एक स्वाभाविक विकल्प बन सकता है। अमेरिका और यूरोप दोनों ही ऐसे साझेदार की तलाश में हैं जो भरोसेमंद हो, राजनीतिक रूप से स्थिर हो, और तकनीकी दृष्टि से सक्षम हो। भारत के पास इस अवसर का लाभ उठाने के लिए तीन प्रमुख रास्ते हैं। पहला- भारत में भी कई दुर्लभ खनिजों के भंडार हैं, परंतु उनका परिशोधन ढांचा कमजोर है। यदि सरकार इस क्षेत्र में 'राष्ट्रीय रेयर अर्थ मिशन' जैसे कार्यक्रम को गति दे, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी बन सकता है। दूसरा- ट्रंप की नीति से अमेरिकी कंपनियाँ चीन से हटकर भारत, वियतनाम और इंडोनेशिया की ओर रुख करेंगी। भारत यदि भूमि सुधार, बिजली लागत और लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार लाता है, तो यह निवेश आकर्षित कर सकता है। तीसरा- अमेरिका और जापान के साथ सेमीकंडक्टर और एआई अनुसंधान में सहयोग भारत को नई औद्योगिक शक्ति में बदल सकता है।

परंतु यह कहानी केवल अवसरों की नहीं है। ट्रंप के टैरिफ युद्ध से वैश्विक मंदी की संभावना बढ़ सकती है। अमेरिका और चीन दोनों भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं; किसी भी झटके से भारतीय निर्यात, आईटी सेवा और ऑटो उद्योग प्रभावित होंगे। इसके अलावा, यदि चीन दुर्लभ खनिजों के निर्यात को भारत तक सीमित करता है, तो भारत की बैटरी, मोबाइल और रक्षा विनिर्माण योजनाएँ बाधित हो सकती हैं। इसलिए भारत को केवल अवसर नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन रणनीति भी तैयार करनी होगी।

देखा जाये तो अमेरिका-चीन टकराव वैश्विक शक्ति-संतुलन को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। यह अब केवल व्यापार की लड़ाई नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकी, संसाधन और प्रभाव क्षेत्र की प्रतिस्पर्धा बन चुका है। आने वाले वर्षों में यह संघर्ष तय करेगा कि दुनिया का औद्योगिक केंद्र एशिया में कहाँ स्थिर होगा– चीन में या उसके बाहर। भारत के पास यह अवसर है कि वह इस नए वैश्विक भूगोल में 'सप्लाई चेन रेजिलियंस' का नेतृत्व करे। इसके लिए उसे खनिज नीति, औद्योगिक निवेश और तकनीकी अनुसंधान में साहसिक कदम उठाने होंगे।

कुल मिलाकर देखें तो ट्रंप का यह 'टैरिफ बम' वैश्विक व्यापार में अस्थिरता का विस्फोट है। लेकिन इसके भीतर भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर छिपा है। यदि भारत इस चुनौती को दूरदृष्टि और नीति-संवेदनशीलता के साथ संभाले, तो वह न केवल इस तूफान से सुरक्षित निकल सकता है बल्कि इस नए वैश्विक आर्थिक युग में आत्मनिर्भर और निर्णायक शक्ति के रूप में उभर सकता है।

बहरहाल, ट्रंप ने भले ही दूसरे युद्धों को खत्म करने का दावा किया हो, परंतु उनका यह नया आर्थिक युद्ध आने वाले दशक का सबसे बड़ा वैश्विक शक्ति परीक्षण साबित हो सकता है– जिसमें भारत का प्रदर्शन यह तय करेगा कि वह केवल दर्शक रहेगा या इस नये आर्थिक युद्ध का विजेता।

अंर्तराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर बालिकाओं को दी गई विधिक जानकारी

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा के निर्देशन पर अंर्तराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास अधिकारी कांता मसराम के नेतृत्व में बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना के तहत पोटाकेबिन बीजापुर में बालिकाओं को विधिक जागरूक किया गया, साथ ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं का सन्देश जिले के समस्त स्कूलों में बालक, बालिकाओं के द्वारा अलग अलग गतिविधि एवं मानव श्रृंखला शब्दाकृति का निर्माण कर बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं का सन्देश देते हुए शपथ दिलाया जा रहा है। इस दौरान बालिकाओं को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी के साथ-साथ शिक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दिया जा रहा हैं। इसके अतिरिक्त बच्चियों में शारिरिक दक्षता और आत्मविश्वास बढ़ाने व विषम परिस्थिति मे भी अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम बनाने और आत्मरक्षा प्रशिक्षण जोर देने के बात बताया जा रहा हैं। दस दौरान सभी बच्चोंओं को शपथ दिलाया जा रहा हैं, कि बच्चियों को जन्म का अधिकार व जीवन जीने का अधिकार देगें। बालिकाओ के जन्म पर खुशी और उत्सव मनाएगें। लड़के एंव लड़कियों के बीच समानता को बढ़ावा देगें। लड़के एंव लड़की के बीच समानता को बढावा देगें बेटियों पर गर्व करेंगे, एवं पराया धन की मानसिकता का विरोध करेगें, बाल विवाह व दहेज का दृढता से विरोध करेगे, एवं बालिकाओं को स्कूल में दाखिला करायेगें एवं उसकी पढाई को बरकरार रखेगें, लिंग चयन की किसी भी घटना की सूचना देगें, महिलाओं का संपत्ति का अधिकार देगें। अपने आसपास के वातावरण को महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए सुरक्षित व हिंसा मुक्त रखेगें। बेटियों के प्रति चली आ रही रूढ़ीवादी सोच को बदलेंगे, बाल संरक्षण तंत्र, स्पॉन्सरशीप योजना, दत्तक ग्रहण (गोद लेने की प्रक्रिया), सड़क जैसी परिस्थिति पर रहने वाले बच्चे, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान, बालिका सुरक्षा माह, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना, महतारी वंदन योजना की जानकारी से भी अवगत कराया गया। जिले के समस्त विकासखण्डो में सेक्टर स्तर पर आंगनबाडी जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान राहुल कौशिक जिला बाल संरक्षण अधिकारी, शीला भारद्वाज, सुनीता तामड़ी, आनंदमई मलिक, नवीन मिश्रा, नगीना लेखम, संदीप चिड़ेम, राजकुमार निषाद, अविनाश नायक, राजेश मण्डे, महेन्द्र कश्यप, महेन्द्र यादव, कुसुमलता, रंजिता कश्यप, पुष्पा कोरम, सतीष कुरसम द्वारा प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

सीमावर्ती क्षेत्रों से अवैध धान की आवक रोकने 7 स्थानों पर स्थापित होगी जांच नाका

जगदलपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के दौरान पड़ोसी राज्यों से अवैध रूप से धान की आवक को रोकने सहित विशेष तौर पर सतत निगरानी रखने के लिए कलेक्टर हरिस एस के द्वारा जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों के 07 चिन्हित स्थानों पर जांच नाका स्थापित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिसके तहत तहसील जगदलपुर के धनपूंजी एवं भेजापदर, करपावण्ड तहसील के कोलावल, बदलावण्ड एवं पोटियावण्ड और बकावण्ड तहसील के नलपावण्ड एवं तारापुर में जांच नाका स्थापित की जाएगी। इन सभी जांच नाका में सप्ताह के सातों दिन 24 घण्टे निगरानी रखने के लिए राजस्व विभाग के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी, मंडी समिति के मंडी निरीक्षक एवं मंडी उप निरीक्षक, वन विभाग के वनरक्षक और नगर सेना के नगर सैनिकों की नामजद रोस्टर अनुसार ड्यूटी लगाई गई है। उक्त सभी जांच नाकों को धान उपार्जन कार्य प्रारंभ होने के पूर्व ही शुरू किए जाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध घटित अपराध में कोण्डागांव पुलिस द्वारा की जा रही है लगातार त्वरित व कड़ी कार्यवाही

कोण्डागांव। पीड़िता ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि पीड़िता का जान पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से सुन्दर लाल उर्फ गप्पु नेताम निवासी फरसगांव हुयी। फिर 2 अगस्त के रात्रि 11.00 बजे पीड़िता को फोन कर बोला मैं तुमसे मिलने के लिए तुम्हारे घर के बाहर खड़ा हूँ यदि बाहर नही आओगी तो मैं तुम्हारे घर के अन्दर आ जाऊंगा और बदनाम कर दुंगा बोला तब पीड़िता डर के कारण घर के बाहर आयी तो आरोपी जबरदस्ती पीड़िता के हाथ को खींचकर अपने घर ले गया पीड़िता के मना करने के बाद भी जबरदस्ती शारीरिक संबंध बना कर बलात्कार किया और किसी को बतायेगी तो जान से मार देने की धमकी दिया। तब पीड़िता किसी को नही बतायी और कई बार मारने पीटने व बदनाम करने की धमकी देकर घर के बाहर बुलाकर पीड़िता के साथ लगातार जबरदस्ती बलात्कार करता रहा और पीड़िता गर्भवती हो गयी तब आरोपी सुन्दर लाल को बतायी तब आरोपी शादी करने से मना कर दिया और तुम्हारी बदनामी होगी किसी को बतायेगी तो मैं तुम्हें जान से मार के फेंक दूंगा और तुम्हारे पेट में पल रहे बच्चे को भी मारने की धमकी देता है। प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना फरसगांव में अपराध क्रमांक 130/2025 धारा 137(2), 64(2) (प), 64(2) (ड), 65(1), 351(3), बीएनएस, पॉक्सो एक्ट की धारा 6 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव येदुवल्ली अक्षय कुमार के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल, के मार्गदर्शन में तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी फरसगांव अभिनव उपाध्याय के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी संजय सिन्दे के नेतृत्व में विवेचना के दौरान आरोपी सुन्दर लाल नेताम उर्फ गप्पु पिता स्व. सुखदेव नोतम उम्र 25 वर्ष निवासी बाजारपारा फरसगांव को पता तलाश बाद थाना लाकर पूछताछ करने पर दिनांक घटना समय को पीड़िता के साथ जुर्म कारित करना स्वीकार करने एवं अन्य साक्ष्य सबूत के आधार पर विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

बंधा तालाब में अधेड़ व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जांच में जुटी पुलिस

कोण्डागांव। नगर के प्रसिद्ध बंधा तालाब में एक अधेड़ व्यक्ति की तैरती हुई लाश मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान कमल सिंह ठाकुर (उम्र 54 वर्ष), निवासी तहसील पारा, कोंडागांव के रूप में की गई है। तालाब की सफाई के दौरान जलकुंभी हटा रहे कर्मचारियों ने पानी में एक शव देखा, जिसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और जांच शुरू कर दी है।

शराब की लत बना मौत की वजह? – प्रारंभिक जांच में यह जानकारी सामने आई है कि मृतक शराब पीने का आदी था। पुलिस का अनुमान है कि वह तालाब के किनारे चलते हुए असंतुलित होकर गिर गया होगा, जिससे उसकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस किसी भी एंगल को नज़रअंदाज़ नहीं कर रही है और हर पहलू से जांच की जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार – शव को पोस्टमार्टम के लिए चीरघर भेज दिया गया है, जिससे मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सके। परिजनों को सूचित कर दिया गया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने बताया कि मामला फिलहाल संदिग्ध प्रतीत नहीं हो रहा, लेकिन सभी तत्वों की बारीकी से जांच की जा रही है।

जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालन एवं अनुरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम

कोण्डागांव। जल जीवन मिशन, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कोण्डागांव द्वारा ज़िले में ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं के संचालन एवं अनुरक्षण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर जारी है। इस पहल का उददेश्य ग्राम स्तर पर योजनाओं के सुचारू संचालन, जल संरक्षण और समुदाय की सहभागिता को सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण सत्र के उद्घाटन अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष कोण्डागांव अनिता कोर्राम एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेंन्द्र सिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण जल योजनाओं की स्थिरता एवं स्वच्छ जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने प्रतिभागियों से अपील की कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने ग्रामों में लागू करें, ताकि प्रत्येक गांव आत्मनिर्भर और स्वच्छ जल आपूर्ति के क्षेत्र में आदर्श बन सके। अब तक चार प्रशिक्षण बैच सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं, जिनमें से दो बैच कोण्डागांव विकासखंड तथा दो बैच माकड़ी विकासखंड में आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षणों में सैकड़ों सर्पच, सचिव और पंप ऑपरेटरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने-अपने ग्रामों में जलापूर्ति योजनाओं को बेहतर तरीके से संचालित करने की दिशा में कदम बढ़ाया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया है, पहला भाग संस्थागत एवं व्यवहारिक है, जिसमें सामुदायिक भागीदारी, जिम्मेदारियाँ, पारदर्शिता और स्वामित्व की भावना पर चर्चा की जाती है, दूसरा भाग तकनीकी प्रशिक्षण का है, जिसमें जलापूर्ति प्रणाली के रखरखाव, मोटर संचालन, जल गुणवत्ता परीक्षण, क्लोरीनीकरण और ऊर्जा संरक्षण जैसे विषय शामिल हैं।

भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम कोंडागांव के मांझी डोंगरी पारा में गिट्टी खदान से प्रकट हुआ शिवलिंग ग्रामीणों ने विधिपूर्वक की स्थापना

कोण्डागांव। कोंडागांव जिले के माझी डोंगरी पारा में भक्ति और आस्था का एक अलौकिक दृश्य सामने आया है। शनिवार के दिन गांव के निवासी मंगलू कोर्राम को गांव के पास स्थित गिट्टी खदान में खुदाई के दौरान एक प्राचीन शिवलिंग प्राप्त हुआ। यह अप्रत्याशित और दिव्य खोज ग्रामीणों में भक्ति और श्रद्धा की लहर ले आई। मंगलू कोर्राम द्वारा यह जानकारी तुरंत गांव के अन्य लोगों को दी गई। इसके बाद पूरे गांव में इस चमत्कारी घटना की चर्चा होने लगी। आज सोमवार की सुबह लगभग 10 बजे गांव के युवाओं और वरिष्ठ जनों ने एकत्र होकर विधि-विधान से शिवलिंग की खुदाई कर स्थापना की। मंत्रोच्चारण, पूजा-अर्चना और श्रद्धा भाव के साथ शिवलिंग को पवित्र स्थान पर विराजमान किया गया। शाम 5 बजे से इस पावन घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर क्षेत्र के आसपास के लोग भी इसे 'दिव्य संकेत' मान रहे हैं। लोग शिव भक्ति में लीन हो गए हैं और पूजा के लिए शिवलिंग के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह घटना केवल एक संयोग नहीं, बल्कि भगवान शिव की विशेष कृपा का प्रतीक है। अब गांववाले इस स्थान को एक धार्मिक केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना बना रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस पवित्र स्थल से जुड़ सकें। इस घटना ने न केवल गांव में धार्मिक जागरूकता बढ़ाई है, बल्कि लोगों के बीच एकता, आस्था और भक्ति का नया संचार भी किया है।

शासकीय महाविद्यालय लोहंडीगुड़ा में आईएफएएस द्वारा कैरियर मार्गदर्शन वेबीनार का आयोजन

जगदलपुर। नवीन शासकीय महाविद्यालय लोहंडीगुड़ा में एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। समस्त कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य डॉ राजीव गुहे के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश अनुसार किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के कार्यक्रम नोडल अधिकारी राजीव पाणिग्रही (सहायक प्राध्यापक वनस्पति शास्त्र) ने की। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में विद्यार्थियों के लिए सही करियर दिशा चुनना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इसी उददेश्य से आईएफएएस द्वारा एक ऑनलाइन कैरियर मार्गदर्शन वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नोडल अधिकारी राजीव पाणिग्रही के भाषण से हुआ तत्पश्चात आईएफएएस के विशेषज्ञ वक्ता ने विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों जैसे यूपीएससी, सीएसआईआर नेट, यूजीसी नेट, गेट, आईआईटी जैम स्टेट पीएससी तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वक्ताओं ने बताया कि कैसे विद्यार्थी अपने रुचि क्षमता और लक्ष्य के अनुसार विषय का चयन करें। तथा अध्ययन की उचित रणनीति बनाएं । कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने अपने प्रश्न पूछे जिनका विशेषज्ञों ने संतोषजनक उत्तर दिया। तथा 15 प्रश्नों का टेस्ट भी लिया गया। वेबीनार से विद्यार्थियों में भविष्य के प्रति नई प्रेरणा और जागरूकता का संचार हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में मुनेश प्रसाद (अतिथि व्याख्याता कॉमर्स) की भागीदारी रही। तथा विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन का कार्य लीलेश्वर प्रसाद यादव, देवेंद्र देवांगन, मधु तथा कार्यक्रम के अंत में प्रतिवेदन का कार्य डॉक्टर सोहद्रा दीवान एवं सपना राय ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी एवं समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ का सहयोग सराहनीय रहा।

प्रेमिका से अनबन के बाद सिरफिरे आशिक ने खुद को मारी चाकू, जिला अस्पताल पहुंचकर किया जमकर हंगामा

कोण्डागांव। प्रेमिका से विवाद के बाद एक सिरफिरे युवक ने खुद को चाकू मार लिया और घायल अवस्था में जिला अस्पताल पहुंचकर जमकर उत्पात मचाया। जब युवक को गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था। सूत्रों के अनुसार युवक की अपनी प्रेमिका से किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी, इससे आहत होकर युवक ने आत्मघाती कदम उठाते हुए खुद को चाकू मार लिया। उसके साथ मौजूद साथियों ने उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया।लेकिन उपचार के दौरान युवक ने आपा खो दिया और अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार युवक ने अस्पताल में लगे शीशे तोड़ दिए और शासकीय संपत्ति को भी भारी नुकसान पहुंचाया। मौके पर मौजूद स्टाफ द्वारा तत्काल इसकी सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में ले लिया। प्राथमिक उपचार के बाद युवक की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। फिलहाल उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। सिटी कोतवाली पुलिस ने आज सोमवार शाम 7 बजे मीडिया को इस घटना की जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में भी उचित कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

बैंकर्स इन्वेस्टर मीट की समन्वय बैठक 16 अक्टूबर को

जगदलपुर। जिले में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों, महिला उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों और पारंपरिक कारीगरों को डिजिटल सशक्तिकरण और विपणन के नए अवसरों से जोड़ने, औद्योगिक गतिविधि को बढ़ावा देने एवं उद्योग स्थापना संबंधी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से रेम्प योजना के अंतर्गत बैंकर्स इन्वेस्टर मीट की समन्वय बैठक जिला व्याार एव उद्योग केन्द्र जगदलपुर द्वारा कलेक्टर कार्यालय के प्रेरणा हॉल में 16 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे से आयोजित की गई है। क्षेत्रीय व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के मुख्य महाप्रबंधक अजित सुन्दर बिलुंग ने इस बारे में बताया कि उक्त कार्यशाला का उद्देश्य उद्यमियों और हितग्राहियों की समस्याओं को बैंकर्स तक पहुंचाना है। उन्होंने जिले के सभी इच्छुक उद्यमियों एवं महिला स्वसहायता समूहों से उक्त कार्यशाला में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में हुआ आयोजन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा बस्तर के विशिष्ट संबंध में विषय पर संगोष्ठी

कोण्डागांव। शासकीय गुंडाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के निर्देशन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वयन प्रकोष्ठ एवं भारतीय ज्ञान परंपरा, देशज संसाधन एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा बस्तर के विशिष्ट संबंध में विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। स्वागत उदबोधन प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम ने प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा भारतीय ज्ञान परंपरा केवल अतीत का गौरव नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए दिशा-सूचक दीप है। बस्तर की संस्कृति, लोकजीवन और परंपराएँ इसी अखंड भारतीय परंपरा की जीवंत मिसाल हैं। नई शिक्षा नीति इसी ज्ञान को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने का प्रयास है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. राजाराम त्रिपाठी, संस्थापक मां दंतेश्वरी हर्बल प्लांट, ने कहा बस्तर के वनों में छिपे औषधीय पौधे और परंपरागत चिकित्सा ज्ञान भारत की अनुपम धरोहर हैं। हमें इस पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक अनुसंधान से जोड़कर विश्व मंच पर प्रस्तुत करना चाहिए। डॉ. किरण नुरूटी ने अपने भावनात्मक वक्तव्य में कहा बस्तर का आदिवासी समाज भारतीय ज्ञान परंपरा का सजीव स्वरूप है। यहाँ के त्योहार, नृत्य, गीत, विवाह संस्कार और कृषि पद्धतियाँ सभी में प्रकृति, अध्यात्म और सामाजिक एकता का दर्शन होता है। यह हमें सिखाता है कि ज्ञान केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि लोकजीवन के अनुभवों में भी निहित है। विशिष्ट अतिथि बलिराम नेताम, पूर्व सरपंच एवं समाजसेवी ने कहा आदिवासी समाज की जीवनशैली प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान और संतुलन की सीख देती है। यही भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल है, जो हमें 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का मार्ग दिखाती है। विशिष्ट अतिथि हर्ष लाहोटी, पूर्व छात्र एवं समाजसेवी ने कहा नई शिक्षा नीति युवाओं को केवल रोजगार नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकता और सृजनात्मकता का बोध कराती है। हमारी संस्कृति को आधुनिक तकनीक से जोड़ना ही सच्चा नवाचार है। कार्यक्रम का संचालन कुशलता से शशिभूषण कन्नौजे ने किया तथा आभार प्रदर्शन शोभाराम यादव द्वारा किया गया।

युवा पीढ़ी को विधिक जानकारी से सशक्त करने के लिए शासकीय पालिटेक्निक कालेज कोण्डागांव में जागरूकता शिविर

कोण्डागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव, किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय, प्रशिक्षु न्यायाधीश रीमा लकड़ा एवं प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भटट् द्वारा शासकीय पालिटेक्निक कालेज कोण्डागांव में विधिक जागरूकता लाने के उददेश्य से विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय ने पॉक्सों एक्ट की महत्वपूर्ण धाराओं की जानकारी देते हुए बताया कि यह अधिनियम बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों की रोकथाम एवं दोषियों को कठोर सजा देने के उददेश्य से बनाया गया है तथा साईबर क्राईम के संबंध में बताया गया की इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाईन फ्रॉड से बचाव साइबर बुलिंग की पहचान एवं महिला उत्पीड़न, घरेलु हिंसा, मोटर वाहन अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही प्रशिक्षु न्यायाधीश रीमा लकडा ने साक्षी संरक्षण स्कीम 2018 के संबंध में बताया कि साक्षी संरक्षण स्कीम, 2018 भारत की पहली आधिकारिक योजना है जो अदालती मामलों में गवाहों (साक्षियों) की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। यह योजना गवाहों को धमकी, हिंसा या डर से बचाने के लिए बनाई गई है, ताकि वे बिना डर के अपना बयान दे सकें। इसके साथ ही सुरेन्द्र भट्ट ने नालसा के नई योजना नालसा जागृति योजना 2025, नालसा संवाद योजना, 2025 नालसा ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन 2025, नालसा जागृति योजना 2025 के संबंध में जानकारी दी गई।

संक्षिप्त समाचार

सफलता की कहानी : दीयों और पूजा सामग्री के बिक्री से समूह की महिलाएं हो रही समृद्ध

गौरेला पेंड्रा मरवाही। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की आत्मनिर्भर भारत की संकल्प को पूरा करने की दिशा में स्वसहायता समूह की महिलाएं अपनी योगदान दे रहीं हैं। दीपावली पर्व के अवसर पर कलात्मक दीयों और पूजा सामग्री का निर्माण करके स्थानीय हाट बाजारों में बिक्री करके समृद्ध हो रहीं हैं। जिला प्रशासन एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से पेंड्रा जनपद की पांच महिला स्वसहायता समूहों की 12 महिलाएं मिलकर अब तक 70 हजार मिट्टी के दीये तैयार कर लिए हैं। इसके साथ ही अगरबत्ती, बाती एवं तोरण तैयार कर स्थानीय बाजारों-कोटमी, नवागांव और कोड़गार हाट बाजार में बेच रही हैं। समूह द्वारा निर्मित दीये रायपुर में आयोजित सरस मेला में भी प्रदर्शित किया गया है और बेचे भी जा रहे हैं। समूह द्वारा अब तक 1 लाख 11 हजार 500 रूपये की दीयों एवं पूजा सामग्री का बिक्री की जा चुकी है।समूह की सदस्य ग्राम झाबर निवासी श्रीमती क्रांति पुरी ने बताया कि इस काम से उन्हें करीब 9 हजार रुपये का मुनाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की दिवाली उनके लिए बहुत खास बन गई है और वे इस आय से काफी खुश हैं। ब्लॉक मिशन प्रबंधक सुश्री मंदाकिनी कोसरिया ने जानकारी दी कि इस कार्य से सीधे तौर पर पांच महिला स्वसहायता समूहों के परिवारों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। इससे महिलाएं न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में भी सक्षम हो रही हैं। यह पहल न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन कर रही है, बल्कि परंपरागत दीयों के उपयोग को भी बढ़ावा दे रही है। मिट्टी के दीयों की बिक्री से जहां महिलाओं की आमदनी बढ़ी है, वहीं पर्यावरण के लिए भी अनुकूल विकल्प है।

दीयों और पूजा सामग्री के बिक्री से समूह की महिलाएं हो रही समृद्ध

गौरेला पेंड्रा मरवाही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की आत्मनिर्भर भारत की संकल्प को पूरा करने की दिशा में स्वसहायता समूह की महिलाएं अपनी योगदान दे रहीं हैं। दीपावली पर्व के अवसर पर कलात्मक दीयों और पूजा सामग्री का निर्माण करके स्थानीय हाट बाजारों में बिक्री करके समृद्ध हो रहीं हैं। जिला प्रशासन एवं ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से पेंड्रा जनपद की पांच महिला स्वसहायता समूहों की 12 महिलाएं मिलकर अब तक 70 हजार मिट्टी के दीये तैयार कर लिए हैं। इसके साथ ही अगरबत्ती, बाती एवं तोरण तैयार कर स्थानीय बाजारों-कोटमी, नवागांव और कोड़गार हाट बाजार में बेच रही हैं। समूह द्वारा निर्मित दीये रायपुर में आयोजित सरस मेला में भी प्रदर्शित किया गया है और बेचे भी जा रहे हैं। समूह द्वारा अब तक 1 लाख 11 हजार 500 रूपये की दीयों एवं पूजा सामग्री का बिक्री की जा चुकी है। समूह की सदस्य ग्राम झाबर निवासी क्रांति पुरी ने बताया कि इस काम से उन्हें करीब 9 हजार रुपये का मुनाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की दिवाली उनके लिए बहुत खास बन गई है और वे इस आय से काफी खुश हैं। ब्लॉक मिशन प्रबंधक मंदाकिनी कोसरिया ने जानकारी दी कि इस कार्य से सीधे तौर पर पांच महिला स्वसहायता समूहों के परिवारों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। इससे महिलाएं न सिर्फ आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने में भी सक्षम हो रही हैं। यह पहल न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन कर रही है, बल्कि परंपरागत दीयों के उपयोग को भी बढ़ावा दे रही है। मिट्टी के दीयों की बिक्री से जहां महिलाओं की आमदनी बढ़ी है, वहीं पर्यावरण के लिए भी अनुकूल विकल्प है।

क्षेत्र में अशांति फैलाने वाले बदमाषों के विरूद्ध सरकण्डा पुलिस का प्रहार

बिलासपुर। आगामी दीपावली पर्व के परिप्रेक्ष्य में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर रजनेश सिंह(भापुसे) द्वारा क्षेत्र में लगातार भ्रमण एवं पेट्रोलिंग करने एवं अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्व के बदमाश व्यक्तियों के विरूद्ध धरपकड़ कर वैधानिक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है, जिसके पालन में अति. पुलिस अधीक्षक महोदय शहर, बिलासपुर राजेन्द्र जायसवाल, सी.एस.पी. सिविल लाईन निमितेश सिंह के मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी निरी. निलेश पाण्डेय के नेतृत्व में थाना सरकण्डा से टीम तैयार कर अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग एवं भ्रमण की जा रही है कि आज दिनांक 15.10.2025 को सूचना मिला कि शनिचरी बाजार सुलभ के पास एक व्यक्ति धारदार चाकू लहराते हुये आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है, इसी प्रकार दयालबंद रोड लिंगियाडीह में एक व्यक्ति धारदार चापड़ लेकर आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है, उक्त सूचना पर तत्काल पृथक-पृथक टीम तैयार कर तस्दीकी हेतु भेजा गया जिनके द्वारा शनिचरी बाजार सुलभ के पास एक व्यक्ति को धारदार चाकू के साथ पकड़कर पूछताछ करने पर अपना नाम विक्रम साहू निवासी अशोक विहार सरकण्डा का बताया जिसके कब्जे से धारदार चाकू जप्त किया गया ।

त्यौहारों के दौरान सुरक्षित एवं सहज यात्रा सुनिश्चित करने हेतु बिलासपुर मंडल में व्यापक प्रबंध किए....

बिलासपुर। दीपावली और छठ पूजा त्यौहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए अनेक प्रभावी कदम उठाए गए हैं। स्टेशन तथा ट्रेनों में सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुचारु परिचालन सुनिश्चित करने हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इन प्रबंधों का उद्देश्य भीड़ नियंत्रण, यात्री सुरक्षा, स्टेशन सुविधा एवं जन-जागरूकता को सुदृढ़ बनाना है। बिलासपुर सहित मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं यात्री गाड़ियों में भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती, यातायात नियंत्रण हेतु आरपीएफ और वाणिज्य विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा सतत निगरानी सुनिश्चित की गई है।बेहतर भीड़ प्रबंधन हेतु प्रमुख स्टेशनों के प्लेटफार्म, फुट ओवरब्रिज (एफओबी) और ट्रेनों पर भीड़ नियंत्रण और व्यवस्थित बोर्डिंग के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए गए हैं । सार्वजनिक घोषणा प्रणाली व संकेतक के माध्यम से यात्रियों को सही सूचना प्रदान की जा रही है 7 यात्रियों को कतारबद्ध होकर बोर्डिंग करने के लिए निर्देशित किया जा रहा है उन्हें सुरक्षित बोर्डिंग के महत्व को समझाया जा रहा है । यात्रियों को सलाह दी जा रही है कि वे पहले यात्रियों को उतरने दें और उसके बाद ट्रेन में प्रवेश करें 7 चलती ट्रेन से चढ़ने-उतरने का प्रयास न करें। यात्रियों को उनके सामान की देखभाल के लिए भी जागरूक किया जा रहा है ताकि वे सुरक्षित यात्रा का आनंद ले सकें। आरपीएफ कर्मियों, सिविल डिफेंस टीम द्वारा सीटी, लाउड हेलर आदि के माध्यम से भीड़ प्रबंधन किया जा रहा है जिससे यात्री आसानी से

कोच में बैठ सके और भीड़-भाड़ की स्थिति न बने। यात्रियों को असुविधा से बचाने डिवीजनल कंट्रोल ऑफिस एवं वार रूम से भीड़ एवं ट्रेन परिचालन की सतत निगरानी भी की जा रही है यात्रियों की सुविधा व मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी प्रमुख स्टेशनों पर पर्याप्त प्रकाश, पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाएँ उपलब्ध कराये गए हैं, फर्स्ट-एड बूथ एवं मेडिकल सहायता दल भी तैयार रखे गए हैं। हेल्प डेस्क एवं अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ की तैनाती की गई है । यात्रियों की प्लेटफॉर्म पर सामान्य कोच आने वाले स्थानों पर किफायती भोजन एवं रेल नीर के अतिरिक्त काउंटर लगाए गए हैं सहज व सुलभ टिकटिंग हेतु डिजिटल माध्यमों को बढ़ावा देते हुए रू-ज्ञस एवं ऋड्डद्बद्यह्लठ्ठद्द,श्च्श्च जैसी मोबाइल टिकटिंग सुविधाओं के अधिकाधिक उपयोग को प्रोत्साहित किया है। इन सुविधाओं के माध्यम से यात्री बिना कतार में लगे ही प्लेटफॉर्म टिकट व अनारक्षित टिकट प्राप्त कर रहे हैं।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया - हमारा लक्ष्य है कि त्यौहारों के समय किसी भी यात्री को असुविधा न हो। डिजिटल टिकटिंग, किफायती भोजन काउंटर एवं अतिरिक्त सहायता कर्मियों की तैनाती जैसे उपायों के माध्यम से हम यात्रियों को सुरक्षित, त्वरित एवं सहज यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा के प्रति पूरी तरह समर्पित है साथ ही यात्रियों से भी अपेक्षा है कि वे सहयोग करें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें

चिकित्सा शिक्षा विभाग के संचालक श्री पैकरा ने किया सिम्स का औचक निरीक्षण

■ मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की ली जानकारी

बिलासपुर। चिकित्सा शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ के डायरेक्टर डॉ. यू.एस. पैकरा ने छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. पैकरा ने विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मरीजों को दी जा रही सुविधाओं, अस्पताल की स्वच्छता और निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नि:शुल्क दवा वितरण कक्ष, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही दवाओं की व्यवस्था और वितरण प्रक्रिया की जानकारी ली। आपातकालीन विभाग के सामने मरीजों को दी जा रही सहूलियतों का निरीक्षण किया। भर्ती मरीजों से उपचार व सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया और लगने वाले समय की समीक्षा की। आयुष्मान कार्डधारी भर्ती मरीजों की संख्या और सुविधा प्रबंधन का जायजा लिया। उन्होंने निर्माणाधीन वार्ड का निरीक्षण कर एजेंसी को तय समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। मेडिकल वार्ड, डायलिसिस यूनिट एवं परिजन शेड, स्वच्छता और उपकरणों की स्थिति की जांच की गई। उपकरणों की कार्यस्थिति और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति, अन्य अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

खनिजों के अवैध परिवहन पर 08 वाहन जब्त किए....

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा कल और आज दो दिनों में 8 वाहनों के विरुद्ध अवैध खनिज परिवहन का मामला दर्ज कर कार्रवाई किया गया। उप संचालक खनिज प्रशासन किशोर गोलघाटे के मार्गदर्शन में जिला बिलासपुर में खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एंव भण्डारण पर लगातार कार्रवाई जारी है। श्री गोलघाटे ने बताया कि 15 अक्टूबर को खनिज अमला बिलासपुर द्वारा कुदुदंड, मंगला, पाटबाबा एवं लोखड़ी क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। जहाँ मंगला पाटबाबा क्षेत्र अंतर्गत बिना वैध अभिवहन पास के परिवहन कर रहे खनिज रेत लोड 03 ट्रैक्टर व मिट्टी ईट लोड 01 ट्रैक्टर कुल 04

वाहनों को जप्त किया गया। उक्त वाहनों को पुलिस थाना सकरी की अभिरक्षा मे रखा गया है। इसी प्रकार 16 अक्टूबर को कोनी, निरतु, सकरी रतनपुर एंव गढ़वट क्षेत्र का निरीक्षण किया गया, जहाँ गढ़वट क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 04 ट्रेक्टर ट्राली वाहन को जप्त कर पुलिस थाना रतनपुर की अभिरक्षा मे रखा गया है। खनिजों के अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है।

डेढ़ दर्जन मिठाई दुकानों पर खाद्य विभाग की दबिश,जांच हेतु लिए गए सैंपल.........

बिलासपुर। नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन और कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार बिलासपुर जिले की समस्त मिठाई दुकानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। मिलावट की आशंका के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अविषा मरावी एवं अंकित गुप्ता खाद्य एवं औषधि प्रशासन टीम के साथ मेसर्स हरिओम स्वीट्स, तखतपुर से बुन्दी लड्डू एवं काजू बरफी का नमूना, मेसर्स सत्यम स्वीट्स तखतपुर से रोल बरफी का नमूना, मेसर्स रायल स्वीट्स राजेन्द्र नगर बिलासपुर से बेसन पात्रा, महेश स्वीट्स तारबाहर से काला जामुन बेकर्स फर्म तारबाहर से मथुरा पेडा, दिल्ली स्वीट्स रिंगरोड बिलासपुर से गोंद लड्डू का नमूना संकलित कर

परीक्षण और विश्लेषण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है।टीम ने इसके साथ ही मेसर्स मनोज स्वीट्स मुगेली नाका, महामाया स्वीट्स मुंगेली नाका एवं सूर्या रॉयल स्वीट्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर का मिलावट की आशंका के आधार पर टीम द्वारा औचक निरीक्षण कर जांच किया गया है। संकलित नमूनों के राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर से परीक्षण और विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम विनियम 2011 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। इसके साथ साथ विभागीय चलित खाद्य प्रयोगशाला वाहन (मोबाईल वैन) के माध्यम से अभियान चलाकर ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्रों में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का मौके पर ही जांच किया जा रहा है। यह जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा। गौरतलब है कि दीपावली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए नकली खोवा तथा गुणवत्ताहीन मिठाई की बिक्री की संभावना हो सकती है, जिससे लोगो के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

बिहान दीदीयों ने सजाया दिवाली के लिए दुकान

■ दीदियों की दुकान 18 अक्टूबर तक, पहले दिन हजारों में हुई बिक्री

बिलासपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की बिहान योजना से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई राह पर चल पड़ी है योजना के तहत विभिन्न कौशल में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी ये दीदियां समूह के माध्यम से अपने हाथों से विभिन्न सामाग्री का निर्माण कर रही हैं और बाजार में बेचकर आय अर्जित कर रही हैं। समूह की इन्हीं दीदियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला कार्यालय परिसर में बिहान दीदियों ने जिला कार्यालय परिसर में स्टॉल लगाया है यहां दिवाली पूजा के लिए जरूरी समानों की बिक्री की जा रही है। 18 अक्टूबर तक चलने वाले स्टॉल के पहले दिन दीदियों ने अच्छी आय अर्जित की, समूह की दीदियों ने सभी से स्टॉल विजिट कर समूह द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीदारी की अपील की है। यहां दीपावली त्यौहार से जुड़ी आवश्यक सामग्री अच्छी गुणवत्ता में उपलब्ध है, जिसकी कीमत भी काफी कम है। कलेक्ट्रेट परिसर में स्व सहायता की दीदियों द्वारा सजाए गए दुकानों में किफायती दर पर गुणवत्ता पूर्ण सामग्री बेची जा रही है। यहां रंगीन दीए, मोमबत्ती, अगरबत्ती, रंगोली, धूपबत्ती,बाती सहित अन्य सजावटी सामग्री उपलब्ध है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व सहायता समूह की दीदी रानी शर्मा ने बताया कि जिले में विभिन्न समूहों द्वारा आजीविका गतिविधि चलाई जा रही है जिससे होने वाली आय से वे अपने परिवार को आर्थिक सहयोग देते हैं उन्होंने बताया कि यहां स्व सहायता समूहों द्वारा हस्तनिर्मित सामग्री कम दाम में उपलब्ध है यही कारण है कि आज पहले ही दिन उन्हें सामग्री बिक्री पर अच्छी आमदनी हुई है, और उम्मीद है आने वाले दिनों में उनकी बिक्री में और अधिक बढ़ोतरी होगी। उन्होंने शहर वासियों से अपील की कि वे स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा बनाई सामग्री खरीदकर मोदी जी के स्वदेशी अपनाने के आह्वान में शामिल हों और दीदियों का मनोबल बढ़ाएं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान के 65 रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से जुड़े प्रमुख विभिन्न कार्यों का राष्ट्र को समर्पण किया

बिलासपुर। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने आज खातीपुरा रेलवे स्टेशन का दौरा किया और राजस्थान में यात्रियों की सुविधा बढ़ाने तथा आधुनिक और कुशल रेल सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत की । ये पहल राज्य के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को रूपांतरित करने और यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम हैं ।श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान के 65 रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इनमें रामसर, सिवानी, लूनी, पृथ्वीराज पुर और भगत की कोठी जैसे स्टेशन शामिल हैं । इन सुधारों में प्रतीक्षालयों का आधुनिकीकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, उन्नत स्वच्छता सुविधाएँ, बैठने की सुविधाएँ, स्पष्ट साइनबोर्ड और

दिव्यांगजन के अनुकूल इंतजाम शामिल हैं, जिससे स्टेशन और अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और यात्रियों के अनुकूल बन गए है । साथ ही, केंद्रीय मंत्री ने जयपुरङ्कआसारवा एक्सप्रेस की सभी एसी श्रेणियों में मुद्रित कंबल कवर की नई व्यवस्था शुरू की, जिससे यात्रा में स्वच्छता, एकरूपता और आरामदायक अनुभव सुनिश्चित होगा । कार्यक्रम के दौरान माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रेलवे का विकास कई मोर्चों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। नई प्रकार की ट्रेनों की शुरुआत, नए स्टेशनों का निर्माण, नई रेल लाइनें, विद्युतीकरण कार्यों की पूर्णता और आधुनिक रखरखाव डिपो का निर्माण जारी है। उन्होंने कहा कि इन सबके साथ ही रेलवे का मुख्य उद्देश्य यात्रियों के जीवन में सार्थक बदलाव लाना है । केंद्रीय बजट 2025-26 में राजस्थान में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए ?9,960 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जो तेजी से विस्तार और आधुनिकीकरण को आगे बढ़ा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रदेश में 85 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें से इस वर्ष 8 स्टेशनों का लोकार्पण हो चुका है। राज्य में आज 12 वंदे भारत सेवाएं संचालित हो रही हैं, जो प्रमुख मार्गों पर तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा प्रदान कर रही हैं ।ये योजनाएँ राजस्थान में आधुनिक, कुशल और यात्री-केंद्रित बुनियादी ढांचे के निर्माण के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं ।

5 गलतियों से लाइफ में बढ़ती है नेगेटिविटी

वास्तु एक्सपर्ट से जानें सबकुछ

जीवन से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने के लिए वास्तु के कुछ उपाय और नियमों का पालन करना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि इससे वास्तु की कुछ बातों का ध्यान रखकर लाइफ में पॉजिटिविटी बढ़ाई जा सकती है,लेकिन रोजाना जाने-अनजाने होने वाली छोटी-छोटी गलतियों से जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मन अशांत रहता है। समस्या का समाधान निकालने में कंफ्यूजन महसूस होती है और इससे स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। वास्तु सलाहकार आचार्य मुकुल रस्तोगी के अनुसार कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान रखकर लाइफ से नेगेटिविटी को कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं नेगेटिविटी कम करने के वास्तु टिप्स...

नेगेटिविटी कम करने के लिए वास्तु टिप्स

एक ही वस्त्र को लगातार कई दिनों तक नहीं पहनना चाहिए। इससे आपको खराब रिजल्ट मिल सकते हैं। इस बात का खास ध्यान रखें कि जीन्स लगातार कई दिनों तक होता है। सिर को नियमित तौर पर धोना चाहिए।

इसके अलावा नाखून को लंबे समय तक नहीं काटना चाहिए। नाखूनी में जमी गंदी से व्यक्ति के औरा पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसके अलावा एक ही जूता या चप्पल लंबे समय तक न पहनना चाहिए। घर में पुराने अखबारों को ज्यादा समय तक जमा करके नहीं रखें। यह घर में नेगेटिविटी फैलाते हैं। इसलिए नियमित रूप से इसे घर से बाहर निकाल दें।

घर में पॉजिटिविटी बढ़ाने के लिए साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी का खास ख्याल लगाना चाहिए। साथ ही घर में हरे पेड़-पौधे लगाने चाहिए।

वास्तु के अनुसार, घर में रुकी हुई या बंद घड़ी को भी नहीं रखना चाहिए। यह समय के ठहर जाने का संकेत देती है। इसलिए इसे तुरंत ठीक करवाएं और खराब घड़ी हो, तो तुरंत हटा दें।

सेहत के लिए फायदेमंद

घर पर ऐसे बनाएं आमलाप्राश..

फिट रहने के लिए लोग कई तरह की चीजों का सेवन करते हैं, जिसमें से एक आमलाप्राश भी है। ये आंवाल से बना च्यवनप्राश होता है। जो सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। आमलाप्राश को बनाने के लिए कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर नेचुरल चीजों का उपयोग किया जाता है, इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। ये शरीर को गर्म रखने और इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाने में मददगार साबित हो सकता है।

आजकल आपको बाजार में आमलाप्राश मिल जाएगा। लेकिन बाजार के डिबा बंद सामान को लेकर हर किसी से मन में आशंका रहती है। क्योंकि इस समय खानपान में कई तरह की मिलावट हो रही है। ऐसे में बाजार में मिलने वाला आमलाप्राश शुद्ध है या नहीं इसे लेकर की लोगों के मन में सवाल आता है। ऐसे में आप बाजार की जगह घर पर भी आमलाप्राश बना सकते हैं। इसमें आप शुद्ध चीजों का उपयोग करेंगे।आज हम आपको घर पर आमलाप्राश के आसान तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

500 ग्राम आंवला, 4 इलायची, 1 बड़ी इलायची, 10 लौंग, 1 चक्रफूल, 5 तेज पत्ते, 1 बड़ा चम्मच काली मिर्च, 1 छोटी दालचीनी, गर्म पानी में भिगोए हुए 1/2 कप किशमिश, 15 खजूर, बीज निकाले हुए और गर्म पानी में भिगोए हुए, 4 इंच अदरक का टुकड़ा, 1 कप तुलसी के पत्ते, 3 बड़े चम्मच घी, 1 कप गुड़, 15-20 केसर के धागे या ज्यादा।

आमलाप्राश बनाने का तरीका

आंवला लें और 15 से 20 मिनट के लिए पानी में स्टीम करें। इसके अलावा दालचीनी, इलायची, बड़ी इलायची, लौंग, चक्रफूल, काली मिर्च, तेजपत्ता को धीमी आंच पर सूखा भून लें। इसे ठंडा होने दें और इन्हें पीसकर मुलायम पाउडर बना लें और एक तरफ रख दें। इसके बाद किशमिश, खजूर, अदरक और तुलसी के पत्तों को अलग-अलग थोड़े से पानी में भिगोकर रख दें और कुछ देर बाद इसका ग्राडर में पीस लें। आंवले के बीज निकालें और उसे पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें।

एक्सरसाइज करने में आता है आलस

तो एक्टिव रहने के लिए अपनाएं ये टिप्स

मोटिवेशनल गोल्स सेट करें

आप अपने फिटनेस गोल्स को कंप्लीट करने के लिए छोटे-छोटे गोल सेट कर सकते हैं। जैसे, "इस हफ्ते मुझे 5 किलोमीटर दौड़ने हैं," या "मैं इस महीने 20 पुशअप्स करूंगा।" जिससे आपको नियमित रूप से एक्सरसाइज करने में मदद मिल सकती है। जब आप इन लक्ष्यों को पूरा करेंगे, तो आपको आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और आपको आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिलेगी। ये छोटे-छोटे गोल्स आलस्य से उबारने और आपको मोटिवेट करने में भी मदद करेंगे।

मौसम चाहे कोई भी हो हेल्दी और फिट रहने के लिए एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी है। लेकिन ठंड के मौसम में वर्कआउट करने में बहुत आलस आता है। इस मौसम में रजाई में बैठना हर किसी को पसंद होता है। लेकिन अपनी फिट रहने के लिए पौष्टिक डाइट और शरीर को एक्टिव रखने के लिए एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। अगर आपको घर से दूर बाहर पार्क या जिम जाकर एक्सरसाइज करने का मन नहीं करता है तो आप घर पर कुछ एक्टिविटी कर सकते हैं। सर्दियों के मौसम में एक्सरसाइज करने से शरीर को गर्माहट मिलती है, वजन को नियंत्रित रखने, मूड को बेहतर बनाने और हड्डियों और जोड़ों को मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकता है। लेकिन इस मौसम में रजाई से निकालकर बाहर एक्सरसाइज के लिए जाने का मन नहीं करता है या यूं कह लें कि आलस बहुत आता है।

ठंड में अंदर ही वर्कआउट करें

अगर बाहर मौसम बहुत ज्यादा ठंडा है, तो आप घर पर वर्कआउट कर सकते हैं। घर पर आ योगा, कार्डियो एक्सरसाइज, लंज जंप, स्क्वाट जम्प, घुटनों को ऊंचा उठाना, टक जंप, प्लैंक, जंपिंग जैक, डांस, एरोबिक और बहुत ही आसान एक्सरसाइज कर सकते हैं। ऐसे आप इनडोर वर्कआउट्स से आप बाहर की ठंडी हवा से बच सकते हैं और आराम से एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसके लिए आप फिटनेस ऐप्स या ऑनलाइन वीडियो का सहारा भी ले सकते हैं।

सक्रिय रहें

वर्कआउट के अलावा भी, आप दिनचर्या में एक्टिव रहने का प्रयास करें जैसे कि आपको सेहत से जुड़ी किसी तरह की समस्या नहीं है तो 2 या 3 फ्लोर पर जाने के लिए लिफ्ट की जगह पर सीढ़ियां चढ़े, घर के आस-पास पैदल चलें या बाजार कुछ सामान लेने जाना, इससे आपकी शरीर को एक्टिव बनाए रखने में मदद मिलती है, और वर्कआउट के लिए मन भी तैयार रहता है। छोटी-छोटी शारीरिक गतिविधियों से भी आपका आलस्य कम करने में मदद कर सकती हैं।

टॉयलेट जाते समय न करें ये गलतियां

बीमारी का बन सकती हैं कारण

कई बार अनजाने में की गई गलती के कारण हमारे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है.ऐसी ही टॉयलेट जाते समय कुछ बातों का ख्याल रखा बहुत जरूरी है,क्योंकि वो गलतियां बीमारियों का कारण बन सकती है.टॉयलेट या शौचालय जाते समय सावधानी बरतना बहुत महत्वपूर्ण है.शौचालय का गंदा होना या उसका गलत तरीके से उपयोग संक्रमण फैलने का एक प्रमुख कारण बन सकता है।

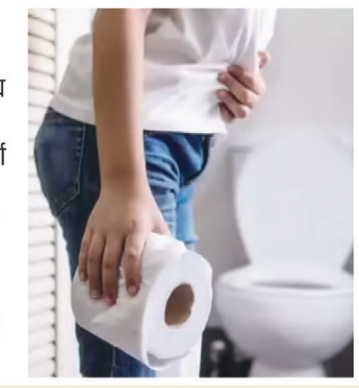

ज्यादा टॉयलेट पेपर का उपयोग

टॉयलेट जाते समय की गई छोटी-छोटी गलतियाँ बीमारियों का कारण बन सकती हैं,जिसमें टॉयलेट पेपर का ज्यादा इस्तेमाल करना भी शामिल है।कई लोग टॉयलेट पेपर का अत्यधिक इस्तेमाल करते हैं,लेकिन ये भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।ज्यादा टॉयलेट पेपर का इस्तेमाल करने से त्वचा में जलन और रैशेज हो सकते हैं।

स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करें

आजकल बहुत से लोग टॉयलेट में बैठे हुए भी फोन का इस्तेमाल करते रहते हैं।लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए।टॉयलेट सीट में बैक्टीरिया और वायरस होते हैं और अगर आप टॉयलेट में बैठे हुए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं,तो ये बैक्टीरिया उस पर भी चिपक सकते हैं।इसके बाद जब हम फोन को चेहरे या अन्य हिस्सों के संपर्क में लाते हैं,तो संक्रमण फैलने का खतरा होता है।इसलिए टॉयलेट में स्मार्टफोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

टॉयलेट सीट की सफाई

अक्सर लोग टॉयलेट सीट की सफाई किए बिना ही उस पर बैठ जाते हैं,जो एक बड़ी गलती साबित हो सकती है।सार्वजनिक टॉयलेट में जाते समय साफ-सफाई का ज्यादा ध्यान रखना चाहिए,क्योंकि इन टॉयलेटों का उपयोग कई लोग करते हैं। टॉयलेट सीट पर बैक्टीरिया और वायरस हो सकते हैं जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं।इसलिए पब्लिक टॉयलेट में जाने से पहले फ्लश करें।टॉयलेट पेपर का इस्तेमाल करके ही टॉयलेट बाउल का ढक्कन उठाएं।टॉयलेट स्प्रे का इस्तेमाल भी आप कर सकते हैं।

बच्चे के हैं फ्लैट फुट

तो रोजाना कराएं ये दो योगासन

पैरों का शेप हो जाएगा चेंज

फी सारे बच्चों के पैर तलवों से चिपटे हुए होते हैं। जिन्हें फ्लैट फुट कहते हैं। सामान्य तौर पर पैर के तलवों का आकार हल्का सा घुमाव लिए होता है। जिसकी वजह से जब हम जमीन पर पैर रखते हैं तो तलवे का बीच का थोड़ा सा हिस्सा जमीन टच नहीं करता। लेकिन कुछ लोगों के तलवे पूरी तरह से जमीन छूते हैं। इस बनावट के तलवों को फ्लैट फुट कहते हैं। बच्चे के अगर फ्लैट फुट हैं तो उन्हें फ्यूचर में कुछ फिजिकल प्रॉब्लम का सामना कर सकता है। ऐसे में जरूरी है कि बचपन से ही इन फ्लैट फुट को आर्क शेप का बनाने की कोशिश को जाए। ये दो योगासन तलवों में आर्क बनाने में मदद करते हैं।

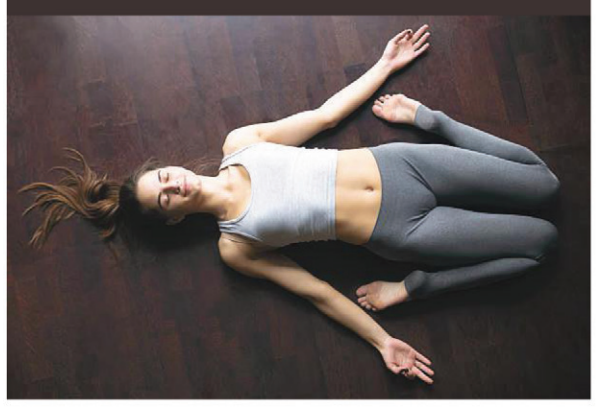

वज्रासन

वज्रासन की क्रिया रोजाना कराने से बच्चों के तलवों में फ्लैक्सिबिलिटी आती है और आर्क बनना शुरू हो जाता है। सबसे पहले घुटने के बल पैरों को मोड़ें और तलवों को बिल्कुल सीधा करके रखने को बोले, जिसमे उंगलियां बाहर की तरफ मुड़ी हो। एड़ी पर हिप टिकाकर बैठें। खेल-खेल में रोजाना इस क्रिया को करने से फ्लैट फुट की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है।

सुप्त वीरासन

सुप्त वीरासन की क्रिया में घुटनों के पैर को मोड़े और बैठे। इस दौरान तलवे बिल्कुल पीछे हिप के बगल में हों। साथ ही शरीर को सीधा जमीन पर टिकाएं। इन दो योगासन को करने से सपाट पैरों की समस्या को कम होने में मदद मिलती है।

'बेस्ट संस्था' का सर्वोच्च वर्ल्ड रिकॉर्ड अवॉर्ड

ऐतिहासिक उपलब्धि

धर्म और संस्कार के प्रचार-प्रसार में अग्रणी श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ (SJDSS) ने हाल ही में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। संस्था को प्रतिष्ठित "बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स लंदन" की ओर से 'बेस्ट संस्था' (Best Institution) का सर्वोच्च अवॉर्ड डॉ. अविनाश सकुंडे,संस्थापक अध्यक्ष के हाथों से प्रदान किया गया और साथ ही, संघ के अग्रणी पदाधिकारियों को जैन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों का प्रसार और पाठशालाओं की अमूल्य भूमिका के लिए। अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ ने धार्मिक शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर संस्था और पदाधिकारियों ने एक ऐतिहासिक विशेष स्थान प्राप्त किया है। देशभर में 655 जैन पाठशालाओं का सफल संचालन 75,000 से अधिक बच्चे जैन धर्म और संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। हर वर्ष 25,000 से अधिक विद्यार्थी धार्मिक परीक्षा देते हैं ये उपलब्धियाँ समाज में बढ़ते धार्मिक आकर्षण और संघ की सशक्त कार्यशैली का प्रमाण हैं। संघ के अग्रणी पदाधिकारियों को अमेरिकन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा मानद डॉक्टरेट उपाधि डॉ. अविनाश सकुंडे,संस्थापक अध्यक्ष उनके हाथों सेश्री संजयभाई जीवनलाल शाह उपाध्यक्ष श्री अशोक नरसी चरला ट्रस्टी श्रीमती अल्पाबेन संजयभाई शाह महिला विभाग उपाध्यक्ष को प्रदान की गई। यह सम्मान संस्था की दशकों पुरानी सेवा और भविष्य में धार्मिक शिक्षा का विस्तार और राष्ट्रीय उपलब्धि और धर्म प्रचार के संकल्प को और मजबूत बनाएगी संस्था धार्मिक शिक्षा के बढ़ते योगदान को दर्शाती है इस अवसर पर श्री नेमिसूरी समुदाय के आचार्य भगवंत प.पू. श्री चंद्रसूरीश्वरजी महाराज तथा साधु-साध्वियों ने निश्रा प्रदान की थी, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया था। 'पूज्य श्री ने बेस्ट संस्था' का सर्वोच्च अवॉर्ड प्रदान करने पर और मानद डॉक्टरेट उपाधि प्रदान पर पदाधिकारियों को आशीर्वाद दिया और पूज्य श्री ने कहा यह बच्चों के ज्ञान का सम्मान है प्रवचन में पूज्य श्री ने कहा जैन शासन में पहला कदम पाठशाला है। यही पाठशाला बच्चों में संस्कारों का सिंचन करती है। श्री जैन धार्मिक शिक्षा संघ के उपाध्यक्ष श्री संजयभाई जीवनलाल शाह ने कहा यदि जैन शिक्षा को पांच वर्ष से 14 वर्ष की आयु तक धार्मिक शिक्षा की नई तकनीक के माध्यम से संस्कृत भाषा प्रदान किया जाए तो बच्चों का विकास अवश्य होगा। धार्मिक शिक्षा की इस नई तकनीक से भारत ही नहीं बल्कि विश्व के देशों में रहने वाले जैन बच्चों को भी लाभ मिलेगा। जैन धर्म विश्व का एक प्राचीन और वैज्ञानिक धर्म है, जो जीवदया, अहिंसा और आत्मशुद्धि पर जोर देता है। पाठशाला इस धर्म के मूल रूप के सिद्धांतों को बच्चों में रोपने का पवित्र कार्य करती है। पाठशाला के माध्यम से बच्चों को धार्मिक ज्ञान के साथ संस्कार, नैतिक मूल्य और सामाजिक जिम्मेदारी की शिक्षा दी जाती है। यह भविष्य की पीढ़ी को धर्म और संस्कृति से जोड़े रखने का अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है, जो उन्हें विनय, विवेक और जीवदया जैसे गुण सिखाकर, आत्मा और संस्कृति के महत्व को समझाता है ट्रस्टी श्री अशोक नरसिंह चरला ने कहा मुंबई के 655 से अधिक स्कूलों में 1400 से अधिक शिक्षक और शिक्षिका। अपना योगदान दे रहे हैं। आज मुंबई के स्कूलों में 75,000 से अधिक बच्चे धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं महिला विभाग की उपाध्यक्ष श्रीमती अल्पाबेन शाह ने कहा कि "आज के बच्चे ही आने वाले कल में जैन धर्म के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाएँगे। श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ की यह उपलब्धि केवल एक अवॉर्ड नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी में संस्कार और जैन धर्म के ज्ञान के बीज बोने वाली एक प्रेरणादायक यात्रा है।"श्री संघ द्वारा 3 से 11 वर्ष के छोटे बच्चों के ज्ञान और तप के पुरुषार्थ को सम्मानित करने के लिए बाबूलनाथ स्थित श्री सहस्त्र फणा श्वेतांबर मूर्तिपूजक तपाञ्छ संघ में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में धर्म का गहरा ज्ञान प्राप्त करने वाले 150 बच्चों को विशेष पुरस्कार और इनाम देकर उनका उत्साह बढ़ाया गया। इस अवसर पर श्री अफ़सर क़ुरैशीश्रीमती मंदा शिंदे, श्री राजेश कुमार उपाध्याय, डॉ अविनाश साकुंडे डॉ. यतिन देवधर श्री बाबूभाई भवानजी, श्री प्रदीप भाई चोकसी श्री विक्रम भाई अेनशाह श्री धीरेंद्र भाई जवेरी श्री राजेश भाई दोशी श्री शिरीन जरीवाला श्री शांति भाई संघवी और अनेक महानुभावों और कई संस्थाओं के ट्रस्टीगण का श्री धार्मिक शिक्षण संघ ने सम्मान किया. जैन ट्रस्टीगण, संघ के सदस्य, महानुभाव, धर्मप्रेमी एवं संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

किसी सुपरफूड से कम नहीं बाजरे के लड्डू

बाजरा एक ऐसा अनाज है, जो मैग्नीशियम, फास्फोरस और विटामिन बी से भरपूर है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्त्रोत पाया जाता है। बाजरे में फाइबर की अधिक मात्रा होता है। इसलिए सर्दियों में बाजरा खूब खाया जाता है। आप भी अपने घर पर बाजरे के लड्डू बना सकते हैं, ये शरीर को गर्म रखेगा। आइए आपको बताते है रेसिपी। सर्दियों के दौरान बाजरा का सेवन अधिक होता है, यह सेहत के साथ ही बॉडी को गर्म रखता है। बाजरे के माध्यम से सैकड़ों व्यंजन बनाए जा सकते हैं। सर्दियों के दौरान बाजरे की रोटी शरीर को गर्म रखने में मदद करती है। इसके अलावा बाजरे की खिचड़ी, बाजरे का दलिया और बाजरे के लड्डू भी आमतौर पर बनाएं जाते हैं। बाजरा आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और विटामिन बी से भरपूर होता है। जो मैग्नीशियम, फास्फोरस और विटामिन बी से भरपूर है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट का अच्छा स्त्रोत पाया जाता है। सर्दियों में शरीर के गर्म रखने के लिए आमतौर घरों में बजारे लड्डू जरुर बनाएं जाते हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे आसान विधि के साथ बाजरे के लड्डू को कैसे बनाएं।

बाजरे के लड्डू बनाने की सामग्री

बाजरे का आटा 200 ग्राम, , गुड़ एक कप, देसी घी डेढ कप, काजू 10-12, बादाम 10-12, गोंद 2 चम्मच, जरुरत अनुसार कद्दूकस किया गया सूखा नारियल, इलायची पाउडर

लड्डू बनाने की विधि

सबसे पहले आप गैस पर एक पैन चढ़ाएं। पैन गर्म होते ही इसमें घी डालें। घी पिघलने के बाद इसमें गोंद डालकर भून लें। जब गोंद गोल्डन हो जाएं तो इसे साइड में निकालकर रख लें। अब इस घी में बाजरें का आटा भूने। चाहे तो आप आटे में घी डाल सकते हैं। घी इतना होना चाहिए कि आटा हल्का सा घी में तर दिखे। मीडियम आंच पर आटे को लगातार चलाते हुए भून लें। जब आटा रंग बदल दे और घी आटे से अलग होने लगे, तो गैस को बंद कर दें फिर इसे ठंडा होने दें। जब तक आटा ठंडा हो रहा है तब तक आप अपने गुड़ को तैयार कर सकते हैं। गुड़ को कूटकर छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। इसकी जगह आप देसी खांड, शक्कर या चीनी के पाउडर का यूज कर सकते हैं। गुड़ को तोड़कर इसे पैन में मेल्ट कर लें यानी पिघला दें। जब गुड़ मेल्ट हो जाए तो उसे हल्का गुनगुना होने के लिए रख दें। लड्डू बनाने के लिए भुने हुए बाजरे के आटे में ड्राई फ्रूट्स काटकर डालें। इसमें काजू, बादाम, गोंद, कद्दूकस किया हुआ सूखा नारियल और इलायची पाउडर मिला लें। इसके बाद इसमें पिघला हुआ गुड़ मिला ले। अपने हाथों से इन सभी चीजों को मिक्स करें और लड्डू का शेप दें। चलिए तैयार है आपके बाजरे के लड्डू, इन्हें आप जरुर बनाएं।

फटाका दुकानदारों की दुर्ग पुलिस ने ली बैठक, सुरक्षा और नियमों के पालन पर दिए सख्त निर्देश, अग्निशमन व्यवस्था अनिवार्य

दुर्ग। दीपावली पर्व के मद्देनज़र फटाका दुकानों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन सक्रिय हो गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देश पर दुर्ग पुलिस नियंत्रण कक्ष सभाकक्ष में जिले के सभी फटाका व्यवसायियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में फटाका दुकानदारों को सुरक्षा एवं नियमों के पालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

वैध लाइसेंस और मानक फटाखों की बिक्री अनिवार्य-बैठक में सभी दुकानदारों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि उनके पास वैध फटाका लाइसेंस होना आवश्यक है। अनुज्ञप्ति की सभी शर्तों का अक्षरशः पालन किया जाए। दुकानदार केवल मानक के अनुरूप और निर्धारित मात्रा में ही स्टॉक रखें तथा असुरक्षित या अवैध पटाखों की बिक्री बिल्कुल न करें।

अग्निशमन और सुरक्षा इंतज़ाम जरूरी-सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि प्रत्येक दुकान में अग्निशामक यंत्र, पानी और रेत की पर्याप्त व्यवस्था हो। दुकानों के आसपास ट्रांसफार्मर या बिजली के खुले तार न हों। सभी बिजली कनेक्शन सुरक्षित रूप से टेप किए गए हों।

ग्रीन फटाखों और सीसीटीवी पर भी जोर-छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के निर्देशानुसार, दुकानदारों को केवल ग्रीन फटाखे ही विक्रय करने को कहा गया। इसके साथ ही हर दुकान में सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में निगरानी की जा सके।

आपात स्थिति में तुरंत दें सूचना-सभी फटाका दुकानदारों को निर्देश दिया गया कि वे अपने पास संबंधित थाने और पुलिस नियंत्रण कक्ष का संपर्क नंबर रखें। आपात स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 112 पर सूचना देने को कहा गया है।

पुलिस का उद्देश्य-सुरक्षित और शांतिपूर्ण दीपावली-पुलिस प्रशासन ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य जनसुरक्षा सुनिश्चित करना और दीपावली पर्व को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और दुर्घटनामुक्त बनाना है।

दुर्ग पुलिस ने दुकानदारों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि नियमों के पालन से ही सभी की सुरक्षा संभव है।

पुलिस ने चंद घंटों में सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी

शराब और सिगरेट की बात पर हुआ विवाद, तीन ने मिलकर युवक की की हत्या

दुर्ग। थाना सिटी कोतवाली दुर्ग क्षेत्र में हुई एक युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने मात्र कुछ ही घंटों में अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझा ली है। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल दो युवकों और एक विधि से संघर्षरत् बालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने शराब और सिगरेट को लेकर हुए विवाद में युवक की बल्ली और पत्थर से सिर कुचलकर हत्या करने की बात कबूल की है। रात में निकला था घर से, सुबह नाले में मिली लाश-प्रार्थी भरत यादव (28 वर्ष), निवासी शिवपारा दुर्ग ने 11 अक्टूबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका भाई अनिल यादव 10 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे अपनी काले रंग की बिना नंबर प्लेट की एक्टिवा स्कूटी से घर से निकला था, लेकिन वह रातभर वापस नहीं लौटा। सुबह करीब 8 बजे स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि पंचशील नगर, परस सेन के मकान के पास बिजली ऑफिस के सामने एक व्यक्ति का शव पड़ा है और पास ही एक काली स्कूटी खड़ी है। भरत यादव मौके पर पहुंचा तो उसने शव की पहचान अपने भाई अनिल यादव के रूप में की। मृतक के सिर पर गहरी चोट थी, जिससे स्पष्ट था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी सिर में चोट पहुंचाकर हत्या कर दी थी। सीसीटीवी और मुखबिर की मदद से पहुंचे आरोपी तक-थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में अपराध क्रमांक 490/2025 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने तत्काल जांच शुरू करते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिरों को सक्रिय किया। मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया। पूछताछ में तीनों ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि शराब और सिगरेट पीने की बात को लेकर मृतक से विवाद हुआ, जिसके बाद उन्होंने बल्ली और पत्थर से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी और शव को नाले के पास छोड़कर फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपी-1. साहिल टंडन उर्फ भोको, निवासी पंचशील नगर, दुर्ग 2. भुवन साहू (18 वर्ष 4 माह), निवासी पंचशील नगर, दुर्ग 3. एक विधि से संघर्षरत बालक- घटना में प्रयुक्त पत्थर और बल्ली को पुलिस ने मौके से बरामद कर जब्त कर लिया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

टीम की सराहनीय भूमिका-इस सफलता में निरीक्षक तापेश्वर सिंह नेताम, उपनिरीक्षक प्रताप सिंह ठाकुर, सहायक उपनिरीक्षक रामकृष्ण तिवारी, प्रधान आरक्षक आबिद खान, अजय विश्वकर्मा, आरक्षक केशव कुमार, विकास तिवारी, प्रशांत पाटनकर, कमलकांत अंगूरे एवं सुरेश जायसवाल की उल्लेखनीय भूमिका रही।

पोश एक्ट 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति के गठन व पोर्टल ऑनबोर्डिंग पर कार्यशाला आयोजित

114 शासकीय एवं 134 अशासकीय विद्यालयों ने लिया भाग

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के क्रियान्वयन के संबंध में जिले अंतर्गत ऐसे कार्यालय/विद्यालय जहां 10 या 10 से अधिक कर्मचारी कार्यरत है, वहां पोश एक्ट 2013 के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति का गठन करते हुए पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग किये जाने के निर्देश दिये है। निर्देश के परिपालन में गठित समिति की जानकारी पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग किये जाने के संबंध में विगत दिवस को कार्यशाला आयोजित की गयी। उक्त कार्यशाला दो पालियों (प्रथम पाली में शासकीय विद्यालय दोपहर 01 बजे से 02 बजे तक एवं द्वितीय पाली में अशासकीय विद्यालय दोपहर 02.15 से 03.15 तक) आयोजित की गयी। जिसमें 114 शासकीय विद्यालय एवं 134 अशासकीय विद्यालयों ने भाग लिया। उक्त कार्यशाला का संचालन महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग की प्रभारी अधिकारी प्रीति बाला शर्मा के द्वारा किया गया। उनके द्वारा पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग किये जाने के संबंध में लाइव जानकारी दी गयी। इसके अतिरिक्त कार्यशाला में सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी दुर्ग/धमधा/पाटन की सहायक संचालक गौरा शुक्ला, सहायक ग्रेड 03 प्रत्याक्षा सिंह चौहान एवं डाटा एण्ट्री ऑपरेटर सीमा विश्वकर्मा और चिंतामणी साहू भी उपस्थित रहें।

पटाखों की बिक्री और उपयोग के लिए अग्नि सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

नियमों का उल्लंघन करने पर होगी कार्रवाई

दुर्ग। आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा अग्नि सुरक्षा उपायों के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किये गए है।

नगर सेना दुर्ग के जिला सेनानी एवं जिला अग्निशमन अधिकारी नागेन्द्र कुमार सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राप्त एडवायसरी में कहा गया है- पटाखा दुकाने किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे कपड़ा, बांस, रस्सी टेंट इत्यादि का न होकर, अज्वलनशील सामग्री से बने टिन शेड द्वारा निर्मित होने चाहिए। दुकाने एक दूसरे से कम से कम तीन मीटर की दूरी (साइड) पर एवं एक दूसरे के सामने न बनाई जाए। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल का लैंप गैस लैम्प एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबन्धित है। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबन्धित रहेगी। विद्युत तारों में ज्वाइंट खुला नहीं होना चाहिए एवं प्रत्येक मास्टर मास्ट स्विच में फ्युज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए, जिससे शार्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वतः बन्द हो जाए। दुकानें ट्रांसफार्मर के पास न हो और उनके ऊपर से हाई टेंशन पावर लाइन न गुजरती हो। प्रत्येक पटाखा दुकान में 5 किग्रा क्षमता का डीसीपी अग्नि शामक यन्त्र होना चाहिए। इसकी मारक क्षमता 6 फीट की होती है। दुकानों के सामने कुछ अंतराल में 200 लीटर क्षमता के ड्रम की व्यवस्था बाल्टियों के साथ होनी चाहिए। पटाखा दुकानों के सामने बाइक /कार की पार्किंग प्रतिबंधित होना चाहिए। अग्निशमन विभाग एवं एम्बुलेंस का फोन नंबर, दुकान परिसर के कुछ स्थानों में लगाया जाए। अग्निशमन वाहन के मूवमेंट के लिए पर्याप्त स्थान होना चाहिए। आगामी दीपावली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा अग्नि सुरक्षा उपायों के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किये गए है। जांच के दौरान नियमों का पालन नहीं करने पर छत्तीसगढ़ अग्निशमन एवं आपातकालीन नियमावली 2021 के तहत् कार्यवाही की जाएगी।क्या करें-सायरीस प्राप्त विक्रेताओं से ही खरीदें। यह सुनिश्चित करें कि आप गुणा वाले पटाखे खरीद रहे हैं जो दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए अनुमोदित हो। इमारतों, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर पार्क बड़े मैदान जैसे खुले स्थानों में पटाखे जलाएं। पटाखे जलाते समय संभावित आपातकालीन स्थिति के लिए पानी की बाती निकट रखे। आग से संबंधित चोटों के जोखिम को कम करने के लिए सूती वस्त्र पहनने को प्राथमिकता दें, क्योंकि सिंथेटिक कपडे आसानी से आग पकड़ सकते है। पटाखे जलाते समय बच्चों की निगरानी के लिए हमेशा एक व्यस्क को साथ रखें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सुरक्षा उपायों का पालन कर रहे है। पटाखे फोड़ने के बाद इस्तेमाल किए गए पटाखों का पानी की बाल्टी में सुरक्षित तरीके से निपटान करें, ताकि किसी बची हुई चिंगारी से अग्नि दुर्घटना ना हो। एक बार में एक ही पटाखा जलाएं, आग लगने की आशंका को देखते हुए एक साथ कई पटाखे जलाने से बचें। पटाखे में आग लगाने के बाद उससे सुरक्षित दूरी रखें। पटाखे जलाते समय हमेशा हवा की दिशा को ध्यान में रखें, जिससे कि उसकी चिंगारी घरों या व्यक्तियों की ओर न उड़ेक्या ना करें-घर के अन्दर खिड़कियों के पास या अन्य बंद स्थानों पर कभी पटाखे ना जलाएं। पटाखे जलाते समय ढीले या लटकने वाले वस्त्र पहनने से बचें क्योंकि वे आसानी से आग पकड़ सकते है। ज्वलनशील पदार्थों के पास पटाखों का उपयोग ना करें, पटाखों को सूखी पत्तियों, गैस सिलेण्डर या वाहनों जैसी वस्तुओं से दूर रखें।

महापौर ने दो वार्डों को दिए 8 लाख, भवन संधारण और सीमेंटीकरण के लिए किया भूमिपूजन

रिसाली। रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने दशहरा मैदान रिसाली सेक्टर और एचएससीएल कालोनी स्टेशन मरोदा में निर्माण कार्य के लिए 08 लाख रूपये स्वीकृत की है। विकास कार्य को आरंभ करने उन्होंने वार्ड 10 और वार्ड 18 पहुंचकर भूमिपूजन भी किया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों को आस्वस्त किया कि निगम क्षेत्र में वे धिरे-धिरे विकास कार्य को पूर्ण कराकर मांगों को पूरा करेंगे। महापौर शशि सिन्हा पहले वार्ड 10 पहुंची। यहां पर उन्होंने एमआईसी सदस्य जमुना ठाकुर के अनुरोध पर 05 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से ब्लाक 249 से 252 तक के छुटे हुए आंगन में सीमेंटीकरण का कार्य पूर्ण होगा। इसी तरीके से पार्षद रेखा देवी की मांग पर महापौर ने 03 लाख की राशि स्वीकृत की है। इस राशि से वार्ड में गौरा चैड़ी निर्माण कार्य पूरा किया जाएगा। महापौर ने बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली।

गतका चैंपियनशिप के विजेताओं को मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया पुरस्कृत

- भिलाई में सम्पन्न हुई 13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप-2025

दुर्ग। भिलाई, सेक्टर-06 गुरुनानक स्कूल में 13वीं राष्ट्रीय गतका चैम्पियनशिप-2025 के समापन समारोह के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने प्रतियोगिता में विजेताओ को पुरस्कृत किये और खिलाड़ियों में खेल भावना और अनुशासन को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिये। स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधी एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि शौर्य, अनुशासन और वीरता का प्रतीक गतका खेल के राष्ट्रीय चैंपियनशिप-2025 भव्य आयोजन से जिले के खिलाड़ियों में खेल भावना को नई ऊँचाइयाँ दी हैं, बल्कि नगर का गौरव भी बढ़ा है। भारत सरकार के खेलो इंडिया अभियान के अंतर्गत खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश की सरकार निरंतर प्रयासरत है। इन योजनाओं के परिणामस्वरूप आज छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। न्यू गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ के सौजन्य से भिलाई में आयोजित नेशनल गतका चैम्पियनशिप में 16 राज्यों के 500 गतका खिलाड़ियों ने सहभागिता दी। 3 दिवसीय चैम्पियनशिप के भव्य समापन समारोह में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर सहित 3 वर्ग में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, महासचिव जसवंत सिंह खालसा, कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनीष पाण्डेय, जसबीर सिंह, कल्पना स्वामी, जोगा राव एवं साजन जोसफ सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

सांसद और आयुक्त ने तालाबों के जलकुम्भी सफाई का किया निरीक्षण

भिलाई। दुर्ग सांसद विजय बघेल एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने पार्षद महेश वर्मा के साथ लिम्हा तालाब का निरीक्षण किये। सांसद एवं आयुक्त ने जोन 01 नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब एवं लिम्हा तालाब का निरीक्षण करते हुए तालाबो की साफ -सफाई एवं जलकुम्भी को हटाये जाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को निर्देशित किये हैं। साथ ही निगम क्षेत्र के अन्य तालाबों में जहां-जहां जलकुम्भी है, उसे भी प्राथमिकता के साथ हटाने कहा गया है। आगामी दिनों में छठ तालाबों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने कहा गया है। दिवाली के तुरंत बाद छठ पूजा का आयोजन किया जाता है, जिसमें तालाबों में छठ मईया की पूजा-अर्चना की जाती है।

इस कारण क्षेत्र में साफ -सफाई के साथ-साथ सभी तालाबों का पूजा के लिए विशेष सफाई करने के निर्देश दिए है। भ्रमण के दौरान स्वच्छता निरीक्षक अंकित सक्सेना, क्रिस्टोफर पॉल उपस्थित रहे।

दुर्ग शहर विधानसभा में प्रकाश व्यवस्था हेतु 39 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए दुर्ग शहर विधानसभा के कुल 06 कार्यो के लिए 39 लाख 95 हजार 422 रूपए स्वीकृत किया है। प्रभारी मंत्री विजय शर्मा द्वारा अनुशंसित 02 कार्य तथा विधायक (स्कूल शिक्षा मंत्री) गजेन्द्र यादव द्वारा अनुशंसित 04 कार्यो के संपादन का क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर पालिका निगम दुर्ग द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार विख दुर्ग अंतर्गत प्रभारी मंत्री विजय शर्मा की अनुशंसा पर वार्ड क्र. 01 से 30 तक एवं वार्ड क्र. 31 से 60 तक प्रकाश व्यवस्था हेतु स्ट्रीट लाईट लगाने संबंधी कार्य हेतु कुल 19 लाख 97 हजार 374 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार विधायक गजेन्द्र यादव की अनुशंसा पर वार्ड क्र. 01 से 15 तक, 16 से 30 तक 31 से 45 तक एवं वार्ड क्र. 46 से 60 तक प्रकाश व्यवस्था हेतु स्ट्रीट लाईट लगाने संबंधी कार्य हेतु कुल 19 लाख 98 हजार 48 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

पीएम आवास की राशि स्वीकृत करने दिया आवेदन, धान पंजीयन न होने की शिकायत लेकर जनदर्शन पहुंचा कृषक, जनदर्शन में प्राप्त हुए 92 आवेदन

जनदर्शन में प्राप्त समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु संबंधित विभागों को दिए निर्देश

दुर्ग। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एडीएम अभिषेक अग्रवाल ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 92 आवेदन प्राप्त हुए। वार्ड नं. 16 जयंती नगर निवासियों ने बताया कि सिकोला बरती के जयंती नगर में पब्लिक स्कूल के पास स्थित वर्षों पुराने रास्ते को अज्ञात लोगों द्वारा मार्किंग कर बंद की जा रही है। यह मार्ग सार्वजनिक शौचालय के बाजू से होकर गुजरता है और मोहल्लेवासियों के लिए मुख्य आवाजाही का जरिया है। यदि इस रास्ते को बंद किया गया तो लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। जमीन की सही मापजांच कराकर रास्ते की स्थिति स्पष्ट करने और आमजन को राहत दिलाने की मांग की। इस पर एडीएम ने तहसीलदार दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम गनियारी के कृषक ने कृषि धान का पंजीयन नहीं होने की शिकायत की। किसान ने बताया कि वह लंबे समय से अपनी स्वयं की भूमि पर खेती कर रहा है और इस वर्ष भी धान उपज कर विक्रय करना चाहता है, लेकिन पंजीयन नहीं होने से इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसान ने मांग की है कि उसे अस्थायी रूप से पंजीयन की अनुमति दी जाए ताकि वह अपनी उपज बेच सके। इस पर एडीएम ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक को परीक्षण कर तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इसी प्रकार जिले के बटाई व रेघ अनुबंध पर खेती करने वाले किसानों ने मांग की है कि उन्हें भी एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन की अनुमति दी जाए। दुर्ग शहर के गया नगर निवासी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सहायता की मांग की। उन्होंने बताया कि उनके नाम पर राम नगर उरला में रिक्त भूमि पर मकान निर्माण हेतु पीएम आवास योजना की राशि पूर्व में स्वीकृत हो चुकी थी। लेकिन पति के निधन के कारण वे समय पर मकान निर्माण नहीं करवा सकीं। अब वे दोबारा उसी भूमि पर पक्का मकान बनवाना चाहती है। इस योजना के तहत राशि स्वीकृत किए जाने की मांग कर रही हैं। इस पर एडीएम ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने कहा।

एआई बिजली की तरह ही उपयोगी है, लेकिन गलत इस्तेमाल करें तो झटका भी दे सकती है: डॉ. व्यास

कुम्हारी। विचक्षण जैन विद्यापीठ ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से विज़न 360ए लीडरशिप लेक्चर सीरीज का शुभारंभ किया। इस पहल का लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान तक सीमित न रखकर, उन्हें वैश्विक वैज्ञानिक, तकनीकी, सामाजिक और बौद्धिक परिवर्तनों से जोड़ना भी है। उद्घाटन सत्र में आईआईआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. ओ. पी. व्यास मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. व्यास कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशल इंटेलिजेंस) के प्रख्यात विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने आईआईटी खड़गपुर से एम.टेक और जर्मन विश्वविद्यालय से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने पाँच देशों में विशेषज्ञों के साथ कार्य किया है और हाल ही में कुंभ के मेले में तकनीकी सहयोग प्रदान किया था। विद्यालय में उनका व्याख्यान वर्ल्ड ऑफ़ए.ई. व्हेयर इमेजिनेशन मीट्स इंटेलिजेंस विषय पर आधारित था।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com